डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 163 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 25 मार्च 2024 | मूल्य 2 रुपया

नौ साल की बच्ची से दुष्कर्म भाई-मामा और दादा गिरफ्तार

इंदौर, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। बाणगंगा थाना पुलिस ने नौ वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के आरोप में सगे भाई, मामा और सौतेले दादा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म, पाक्सो एक्ट, धमकाने सहित विभिन्न धाराओं में एफआइआर दर्ज की है।

टीआई लोकेशसिंह भदौरिया के मुताबिक बच्ची ने बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष कथन दर्ज करवाए थे। उसकी मां दो पतियों को छोडकर तीसरे पति के साथ रह रही थी। दो महीने पूर्व बच्ची की नानी थाने लेकर आई तो सीडब्ल्यूसी के पास भेजा। बच्ची की मां ने पहले पति से तलाक लेकर दूसरी शादी की। दूसरे पति के पास रहने के दौरान उसके ससुर (दूसरे पति के पिता) ने बच्ची का शोषण किया। उसके सगे भाई ने भी दुष्कर्म किया। महिला ने दूसरे पति को छोड़कर तीसरी शादी कर ली। महिला के रिश्ते के भाई ने भी बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। परेशान होकर उसने नानी को पूरी घटना.... **शेष पेज 4 पर**

आचार संहिता का कायाकल्प पर असर

विजेताओं की राशि अटकी, जून तक करना होगा इंतजार

मंदसौर, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। देशभर में आम चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू है। इस साल स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए चलाए जा रहे कायाकल्प अभियान पर आचार संहिता का बड़ा असर हुआ है। कायाकल्प के विजेताओं के नाम और उनकी राशि अटक गई है। आचार संहिता खत्म होने के बाद ही विजेताओं के नाम की घोषणा होगी। अभी प्रदेश के 37 अस्पतालों और 625 सीएचसी-पीएचसी ने फाइनल मूल्यांकन में क्वालिफाई किया है। इसमें मंदसौर का बड़ा अस्पताल भी शामिल है। जिसे तीन लाख रुपए मिलने हैं। इसके अलावा सिविल हॉस्पिटल गरोठ, सीएचसी दलौदा, सीएचसी सीतामऊ, सीएचसी सुवासरा और सीएचसी शामगढ ने भी क्वालिफाई किया है। जिन्हें एक-एक लाख रुपए की राशि मिली है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) ने कायाकल्प फाइन मूल्यांकन में क्वालिफाई करने वाली संस्थाओं की सूची जारी कर दी है। इसमें मंदसौर के बड़े अस्पताल सहित प्रदेश के 37 अस्पतालों को 3-3 लाख रुपए तो 211 सीएचसी को 1-1 लाख रुपए और 414 पीएचसी को 50 हजार से लेकर 2 लाख रुपए तक दिए गए हैं। सूची सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी चौंक गए। क्योंकि, इसमें विजेताओं के नाम ही नहीं थे। अधिकारियों के मुताबिक अभी आचार संहिता के चलते विजेताओं के नाम की घोषणा नहीं की गई है। आम चुनाव की मतगणना के बाद समारोह में ही यह घोषणा होगी। बता दें कि चुनाव के चलते 4 जून के बाद ही आचार संहिता खत्म होगी।

यह है कायाकल्प...

सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में जिला मुख्यालय के बड़े अस्पताल के अलावा सीएचसी, पीएचसी को बेहतर बनाने के लिए यह योजना शुरू की गई है। इसका उद्देश्य अस्पताल को स्वच्छ, व्यवस्थित, रोगी अनुकूल बनाना है। स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण, दवा आपूर्ति प्रबंधन सहित अन्य मापदंडों पर अस्पतालों को परखा जाता है। जो मापदंडों पर खरे उतरते हैं, उन्हें कायाकल्प पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

इनका कहना...

आचार संहिता के बाद घोषणा होगी। समारोह आयोजित कर प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं के नाम की घोषणा की जाएगी।

प्रियंका दास, मिशन संचालक, एनएचएम भोपाल

इन शहरों को मिला प्रोत्साहन...

मंदसौर, आगर मालवा, अलीराजपुर, अनूपपुर, बालाघाट, बैतूल, भिंड, भोपाल, दमोह, दतिया, देवास, डिंडोरी, ग्वालियर, जबलपुर, झाबुआ, कटनी, खरगोन, मंडला, मुरैना, नरसिंहपुर, नीमच, रायसेन, रतलाम, रीवा, सतना, सौडोर, सिवनी, शहडोल, शाजापुर, श्योपुर, शिवपुरी, सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ, उज्जैन, उमरिया शामिल है।

रंग-गुलाल से सजा शहर का बाजार

टेंक पिचकारियां, मास्क और इलेक्ट्रिक गन भी बच्चों की पहली पसंद

मंदसौर, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिले में अधिकांश जगहों पर रविवार शाम को होलिका दहन हुआ। वहीं जीवागंज स्थित गोर्वधन नाथ मंदिर में आज सोमवार सुबह छह बजे होलिका दहन होगा। इधर धुलेंडी पर्व को लेकर बाजार भी तैयार है। आज शहर में जमकर रंग गुलाल उड़ेगा। शहर के बाजार गुलाल, पिचकारी, इलेक्ट्रिक गन के अलावा मास्क से इस त्योहार के लिए सजे हुए है। व्यापारी कपिल भाटिया ने बताया कि इस बार उनके पास कई सारी खास चीजें आई हैं। इसमें गुलाल सिलेंडर्स, गुलाल गन, फेस मास्क, इलेक्ट्रिक गन आदि शामिल हैं। इसके अलावा मोदी मास्क बहुत खास है। इसकी बाजार में काफी रेंज मौजूद है, जो 100 रुपए से लेकर 150 रुपए तक हैं। इस बार बाजार में वाटर टैंक बच्चों की खास पसंद बने हुए हैं। जिनकी कीमत 300 से 400 रुपए हैं। इसमें कई तरह के कार्टून कैरेक्टर के अलावा एक खास टैंक भी है। बच्चे इसमें रंग भर कर स्कूल बैग की तरह अपनी पीठ पर लगाकर सामने वालों को रंगों से सरोबार करेंगे। वहीं, इलेक्ट्रिक गन की भी बाजार में डिमांड है।

पुलिस मुस्तैद, धारा 144 लगी...

त्योहारों को लेकर पुलिस के साथ प्रशासन भी चुस्त नजर आ रहा है। जहां पुलिस का जिले में हर चौराहे पर पहरा दिखाई दे रहा है। किसी भी तरह के आपत्तिजनक संदेश, सोशल मीडिया का दुरुपयोग, धार्मिक स्थानों पर गुलाल फेंकना, हथियारों का प्रदर्शन, भडकाऊ भाषा, अशोभनीय नारेबाजी पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इधर पुलिस का भी जिलेभर में पहरा नजर आ रहा है। हर थाना पुलिस चेकिंग व्यवस्था में लगी हुई है। वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है। शामगढ, दलौदा, पिपलियामंडी सहित अन्य थानों के अलावा जिला मुख्यालय के थानों पर द्वारा भी जगह -जगह चेकिंग पाइंट बनाए गए है। यहां वाहनों के कागजात और फिटनेस सहित अन्य चीजों की जांच की जा रही है। इसके अलावा नाबालिग वाहन चालकों को रोककर समझाईश दी जा रही है।

आज मनेगा रंगों का पर्व धुलेंडी...

रंगों की त्योहार की शुरुआत आज से हो गई। वैसे फाग महोत्सव के रूप में पिछले करीब एक माह से होली का त्योहार मनाना शुरु कर दिया गया था। श्री गोवर्धननाथ मंदिर हवेली में प्रतिदिन भक्त रंगों में सराबोर हो रहे थे, इसके अलावा विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं द्वारा भी फाग महोत्सव आयोजित किए जा रहे थे। लेकिन, होलिका दहन के बाद इस त्योहार की रंगत और बढ गई है। शहर सहित जिले भर में 1100 से अधिक स्थानों पर होलिका दहन किया गया। रात्री 11.15 बजे से शुभ मुर्हूत में अनेक जगहों पर चौराहों से लेकर मोहल्लों व कॉलोनियों से लेकर अन्य स्थानों पर होलिका दहन किया गया। एक और लोग होली की तैयारियों में आम लोग लगे हुए है तो दूसरी और प्रशासन व पुलिस का अमला भी जिलेभर में सतत निगाह रखने के लिए बल को हर जगहों पर तैनात रहा। होलिका दहन से पूर्व शहर में अतिरिक्त पुलिस कप्तान गौतमसिंह सौलंकी की अगुवाई मे फ्लेग मार्च निकाला गया।

वृंदावन का महारास व दिल्ली की अघोरी झांकी के साथ आज निकलेगी गैर...

धुलेण्डी पर्व पर आज महावीर फतेह करे सेवा संस्था (बालाजी ग्रुप) द्वारा जनकूपुरा स्थित गणपति चौक से रंगारंग गैर मंदसौर नगर में निकाली जाएगी। जिसमें वृंदावन का महारास, दिल्ली की चलित झांकिया, मंदसौर के ढोल, तोप द्वारा फूल व गुलाल की बारिश विशेष आकर्षण का केन्द्र रहेंगे। इस दौरान फायर फायटर से रंगों व फूलों की बरसात भी की जाएगी। 31 क्विंटल हर्बल गुलाल व 11 क्विंटल फूलों से होली खेली जाएगी। इस गैर का गुलाल, पुष्पवर्षा व स्वल्पाहार से कई जगह स्वागत भी होगा। इसके साथ ही विभिन्न समाजों में भी रंगारंग गैर और फाग यात्राओं का आयोजन होगा। दिनभर रंगों के बाद शाम को विभिन्न समाजों द्वारा ढूंढ महोत्सव के आयोजन होंगे।

30 को रंगपंचमी, 1 अप्रेल को शीतला सप्तमी...

आज 25 मार्च सोमवार को धुलेंडी पर्व मनाए जाने के बाद 30 मार्च शनिवार को रंगपंचमी पर्व तथा 1 अप्रेल, सोमवार को शीतला सप्तमी का पर्व मनाया जाऐगा। ज्योतिष एवम कर्मकाण्ड परिषद मंदसौर के पं. उमेश जोशी ने बताया कि होलिका दहन के साथ ही विभिन्न त्यौहार मनाऐ जाते है। जिसके तहत 30 मार्च शनिवार को रंगपंचमी पर्व रहेगा, 1 अप्रैल सोमवार को शीतला सप्तमी का पर्व, 2 अप्रैल मंगलवार को शीतला अष्टमी, 4 अप्रैल गुरुवार को दशामाता का व्रत, 5 अप्रैल शुक्रवार को पाप मोचनी एकादशी तथा 6 अप्रैल शनिवार को रंग तेरस का पर्व मनाया जाऐगा, इसी दिन शनि प्रदोष भी रहेगा।

धूप में तेजी आई, तापमान 35 डिग्री के पार पहुंचा

मंदसौर, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। शहर सहित अंचल में हल्के बादलों के साथ मौसम साफ बना हुआ है। महीने के इस आखिरी हफ्ते में 2-3 डिग्री तामपान बढ़ सकता है। रविवार को जिले में अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री के आसपास बना हुआ रहा। मंगलवार 26 मार्च से एक पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की सम्भावनाएं है। हालांकि इसका कोई असर जिले में नहीं रहेगा। अप्रैल के पहले हफ्ते में तेज गर्मी की शुरुआत हो जाएगी। मौसम जानकारो के अनुसार मध्यप्रदेश में मार्च के आखिरी सप्ताह में तेज गर्मी का ट्रेंड है। अबकी बार भी मौसम ऐसा ही रहेगा। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, प्रदेश में ड्राई वेदर है। आने वाले दिनों में अब गर्मी का असर बढ़ेगा। बारिश की कोई संभावना नहीं है। 27 से 31 मार्च के बीच कई शहरों में टेम्प्रेचर 40 डिग्री तक पहुंच सकता है

पाठ्य पुस्तकों में बदलाव

अब आठवीं में भगवान परशुराम, पांचवीं में सावित्रीबाई फुले को पढ़ाया जाएगा

मंदसौर, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नए शिक्षा सत्र से स्कूल शिक्षा विभाग पाठ्य पुस्तकों में बदलाव करने जा रहा है। पिछले साल मुगलों से जुड़े पाठ सिलेबस से हटा दिए गए थे। अब नए सत्र से भगवान परशुराम को 8वीं की हिंदी में पढ़ाया जाएगा। इसमें उनके जीवन चरित्र के बारे में बताया जाएगा। वहीं, 5वीं में सावित्रीबाई फुले और ज्योतिबा फुल के जीवन से जुड़े प्रसंगों को भी पढ़ाया जाएगा। फुले भारत के पहले बालिका विद्यालय की पहली प्रिंसिपल और पहले किसान स्कूल की संस्थापक थी। उनके पति ज्योतिबा फुले समाज सुधारक थे। उन्होंने महाराष्ट्र में सत्य शोधक समाज नामक संस्था का गठन किया। महिलाओं व पिछड़े और अछूतों के उत्थान के लिए इन्होंने अनेक कार्य किए।

राज्य शिक्षा केंद्र के अधिकारियों ने बताया कि अगले शिक्षा सत्र से जनजातीय नायक राजा शंकर शाह और रघुनाथ शाह को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। ये गोंड शासक थे और उन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया था।

रक्षा मंत्री ने लद्दाख में सैनिकों संग मनाई होली

नई दिल्ली, 24 मार्च। रविवार को लेह सैन्य स्टेशन पर सशस्त्र बलों के साथ होली मनाने के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना के जवानों को संबोधित किया।

उन्होंने कहा, लद्दाख की भूमि आम नहीं है। यह सियाचिन, कारगिल, भारत माता की भूमि है। लद्दाख राष्ट्रीय संकल्प का प्रतिनिधित्व करता है। हम जानते हैं कि हमारी राजनीतिक राजधानी दिल्ली है, हमारी आर्थिक राजधानी मुंबई है और हमारी तकनीकी राजधानी बेंगलुरु है, वैसे ही लद्दाख शौर्य और पराक्रम की राजधानी है।

देश भर के सभी अस्पतालों को लेनी होगी अग्निशमन विभाग से एनओसी

नई दिल्ली, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। केंद्रीय स्वास्थ्य परिवार एवं कल्याण मंत्रालय और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने अस्पतालों में आग लगने की घटनाओं को रोकने के लिए राज्य सरकारों को दिशा निर्देश जारी किए हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि ग्रीष्म ऋतु के महीनों में तापमान बढने के कारण अस्पतालों में आग लगने की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सावधानी बरतने को कहा गया है। सभी राज्य सरकारों के मुख्य सचिव को लिखें एक पत्र में राज्य सरकारों को अपने-अपने क्षेत्र के भीतर अस्पतालों की जांच करने और विद्युत भार सुधारने को कहा गया है। मंत्रालय और प्राधिकरण के एक संयुक्त परामर्श में कहा गया है कि अस्पतालों में आग लगने की दुर्घटना रोकने के लिए उचित कदम उठाए जाने चाहिए। सभी अस्पतालों को अग्नि शमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। राज्य सरकारों को इस संबंध में सभी अस्पतालों में अग्निशमन प्रबंधन की समीक्षा करने को कहा गया है।

वाहन चेकिंग में मिली 50 हजार से ज्यादा कीमत की अवैध शराब

मंदसौर, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मल्हारगढ़ थाना पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक बाइक सवार के कब्जे से 50 हजार से अधिक कीमत की अंग्रेजी शराब बरामद की है।

मल्हारगढ़ एसडीओपी नरेंद्र सोलंकी ने बताया की आचार संहिता के चलते सभी थाना क्षेत्रों में वाहनों की चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत मल्हारगढ़ पुलिस द्वारा चंगेरी चौक पोस्ट पर वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दरमियान नीमच की ओर से एक संदिग्ध बाइक क्रमांक एमपी 14 एमएल 8429 आती हुई दिखाई दी। पुलिस को देख बाइक सवार ने भागने की कोशिश की। जिसे पुलिस ने पीछा कर पकड़ा। नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम राजमल पिता मांगीलाल जाट उम्र 40 साल निवासी मोल्याखेड़ा थाना मल्हारगढ़ का होना बताया।

आरोपी की बाइक पर टंगे दो बेग की तलाशी लेने पर उसमें रखे 344 क्वार्टर अंग्रेजी शराब जो कुल 60.48 बल्क लीटर पाई गई। जिसकी कीमत 50 हजार 400 रुपए बताई गई है। आरोपी शराब के मामले में कोई संतुष्टि पूर्वक जवाब नहीं दे पाया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34/2 का प्रकरण दर्ज किया है।

13 वर्ष से फरार वांरटी को पकड़ा

पिपलियामंडी, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने 13 वर्षों से फरार वारंटी को पकड़कर राजस्थान पुलिस के सुपुर्द किया। जानकारी के अनुसार बोतलगंज निवासी अफजल पिता इब्राहिम नियारगर राजस्थान चित्तोड़गढ के शंभूपुरा थाने में दर्ज मामले में पिछले 13 वर्षों से फरार था। पिपलिया टीआई नीरज सारवान के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक रामनारायण नागदा, सुनील टेलर, राजवीरसिंह यादव, शेलेन्द्रसिंह, देवेन्द्रसिंह, गजेन्द्र सेन, धनपालसिंह, कविता नागदा ने आरोपी को बोतलगंज से गिरफ्तार कर राजस्थान पुलिस के सुपुर्द किया।

अवकाश सूचना

रंगो के त्योहार धुलेंडी के अवसर पर 25 मार्च सोमवार को दैनिक गुरु एक्सप्रेस कार्यालय का अवकाश रहेगा। इसलिए 26 मार्च मंगलवार को गुरु एक्सप्रेस का प्रकाशन स्थगित रहेगा। बुधवार 27 मार्च को पुनः मिलेंगे।

-संपादक

घरों में सेंधमारी कर चोरी करने वाले बदमाश गिरफ्तार

घटना में उपयोग की गई बाईक, पानी की मोटरें व सोने चांदी के जेवर सहित 19 हजार से ज्यादा नगदी भी जप्त

मंदसौर, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। दलौदा थाना क्षेत्र में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने खुलासा किया। जिसमे बताया कि 2 नकबजनी की वारदातों में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी गए सोने चांदी के आभुषण, 4 पानी की मोटरे व 19 हजार 900 रुपए नगद बरामद किए तथा घटना में उपयोग की गई मोटर सायकल भी बरामद की गई।

दलौदा पुलिस ने बताया कि 14 फरवरी को प्रगति चौराहा स्थित केशव इलेक्ट्रिक कंचन के विहार कालोनी स्थित मकान में बने गौदाम पर चोरी की घटना हुई। जिसमें बदमाश पानी की 04 विद्युत मोटर चुरा कर ले गऐ थे। पुलिस ने इस घटना में अज्ञात बदमाशों के विरूद्ध प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू की। इसी दौरान मुखबीर से सूचना मिली जिसके आधार पर कार्रवाहीं करते हुए पुलिस ने आरोपी कमल उर्फ कोमल पिता रमेश गायरी उम्र 22 साल निवासी मेरियाखेडी थाना सीतामऊजिला मंदसौर व धर्मेंद्र पिता नंदलाल गायरी उम्र 28 साल निवासी झिरकन थाना अफजलपुर जिला मंदसौर को गिरफ्तार किया। दोनो आरोपियों ने दलौदा थान क्षेत्र में फरवरी को एक ओर घटना को अंजाम दिया था। जिसमें फरियादी रतनलाल गुगर के सूने मकान में अज्ञात बदमाशों ने दिनदहाड़े चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। घर में रखी तीन जोड चांदी बिछिया व एक जोड अंगुठा सेट तथा एक सोने का 18 मोती का बडा पेंडल वाला मंगल सुत्र एवं गोदरेज मे रखे नगदी रुपए चूरा ले गऐ थे। पुलिस ने इस घटना में चोरी हुए सोने-चांदी के जेवर व नगदी को भी बरामद कर लिया।

दो दिन की रिमांड पर आरोपी...

पुलिस ने दोनो बदमाश कमल उर्फ कोमल पिता रमेश गायरी उम्र 22 साल निवासी मेरियाखेडी थाना सीतामऊजिला मंदसौर व धर्मेंद्र पिता नंदलाल गायरी उम्र 28 साल निवासी झिरकन थाना अफजलपुर जिला मंदसौर को न्यायालय में पेश किया। जहां से दोनो को 2 दिन को पुलिस रिमांड पर सौंपा गया। पुलिस आरोपियों से विस्तृत पूछताछ कर अन्य वारदातो का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

कांग्रेस कैसे लड़ेगी लोकसभा चुनाव, जब ब्लॉक अध्यक्ष संगठन के निर्णय को खारिज करेंगे..!

मंदसौर/उज्जैन, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जब से देश में आम चुनाव शुरू हुए तभी से मंदसौर-जावरा-नीमच संसदीय क्षेत्र जनसंघ के जमाने से लेकर आज तक भाजपा का पुश्तैनी माना जा रहा है। अब तक हुए19 लोकसभा चुनाव में सिर्फ पांच बार कांग्रेस के सांसद चुने गए हैं।

बीते 8 चुनाव में एक बार मीनाक्षी नटराजन चुनाव जीतकर सांसद बनी है। वर्तमान प्रत्याशी दिलीप गुर्जर नागदा से चार बार के विधायक रह चुके हैं। शनिवार रात उनके नाम की घोषणा होने के पहले से ही मंदसौर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह तोमर ने बाहरी प्रत्याशी होने के कारण सोशल मीडिया पर अपना विरोध जाहिर कर दिया था। ऐसा तब हो रहा है जबकि, कांग्रेस को चुनाव लड़ने के लिए प्रत्याशी नहीं मिल रहे हैं। ऐसे प्रत्याशी जिनकी जनसाख इतनी तो हो की भाजपा से तीसरी बार प्रत्याशी बने सुधीर गुप्ता को टक्कर दे सके। राघवेंद्र तोमर खुद प्रत्याशी बनने की दौड़ में शामिल थे। वे संगठन में अनेक पदों पर काम करते रहें हैं। इसलिए भी शीर्ष नेतृत्व के निर्णय के विरुद्ध उनके कथन को देखने सुनने वालों को अचरज में डाल दिया है। सामाजिक संस्थाओं से भी जुडे हुए हैं, समर्पित कांग्रेस कार्यकर्ता की छवि के चलते दिलीप गुर्जर को बाहरी प्रत्याशी बता कर बर्दाश्त ना कर चुनाव से दूर रहने के विचार ने सभी कांग्रेसियों को हतप्रभ कर दिया है।

चन्द्रमोहन भगत

कांग्रेसी कार्यकर्ता और मंदसौर का आम राजनीतिक कार्यकर्ता इसलिए भी अचंभित है कि यही राघवेंद्र तोमर पूर्व के बाहरी प्रत्याशी स्व महेंद्र सिंह कालूखेडा और मीनाक्षी नटराजन के समय अति सक्रिय रहे थे। कालूखेड़ा के सानिध्य में रहकर ही तोमर ने अपना राजनीतिक वजूद बढाया और स्थापित नेता कहलाए। विपिन जैन के जिला अध्यक्ष बनने के बाद जब ब्लॉक अध्यक्ष के लिए तोमर का नाम अनुशासित और समर्पित कार्यकर्ता रहने के कारण ही चुना गया था। जबकि, प्रतिस्पर्धा में लाला सोनी और सेवादल के पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक रैकवार, सुरेन्द्र कुमावत के नाम भी थे। राघवेंद्र के इस तरह के विरोध को इसलिए भी गंभीर चर्चा में लिया जा रहा है कि जब कांग्रेस घोर संकट के दौर से गुजर रही है। एक तरफ अधिकांश नेता लोकसभा चुनाव लड़ने से बचने के प्रयास करते नजर आए थे। एनडीए सरकार ने सभी खाते सीज कर दिए। दूसरी तरफ अनेक स्थापित कांग्रेसी नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ले ली है और भी जाने को तैयार हैं। कांग्रेस संगठन ने जैसे-तैसे नागदा से चार बार के विधायक गुर्जर को लोकसभा लड़ने के लिए तैयार किया।

सूत्रों की माने तो गुर्जर भी संसदीय क्षेत्र के गुर्जर, गायरी, धनगर मतों के कारण ही चुनाव मैदान में उतरे हैं। तोमर की तरह किसान कांग्रेस के बद्रीलाल धाकड़ को भी बाहरी प्रत्याशी गुर्जर रास नहीं आ रहा है। इसी प्रसंग में राघवेंद्र तोमर से मोबाइल पर चर्चा करनी चाही तो घंटी बजती रही पर उनका मोबाईल नो रिप्लाय होता रहा। जबकि प्रदेश महामंत्री राजीव सिंह ने कहा कि जिले से पत्र आने पर कार्रवाई की जाएगी।

विचार-मंथन

अभिव्यक्ति की आजादी के साथ विमर्श करने की जरूरत

केंद्र सरकार की यह कवायद पहले भी आलोचनाओं के घेरे में थी कि सोशल मीडिया पर जारी सामग्रियों की जांच उसकी ओर से गठित एक इकाई करेगी और उसके आधार पर टिप्पणी या सामग्री को किसी मंच पर से हटाना या उसे रहने देने का फैसला होगा। इस संबंध में सरकार ने बुधवार को तथ्य जांच इकाई लागू करने के लिए अधिसूचना भी जारी कर दी थी। मगर उसके एक दिन बाद ही सुप्रीम कोर्ट ने सरकार की उस अधिसूचना पर फिलहाल रोक लगा दी। जाहिर है, सरकार अपनी जिस पहल को तथ्यों की जांच का नाम दे रही है, उसे शीर्ष अदालत ने अभिव्यक्ति की आजादी के खिलाफ बताया है। हालांकि इस मसले पर अभी बंबई हाई कोर्ट में अंतिम फैसला आना बाकी है, मगर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार की अधिसूचना पर रोक लगाने की जरूरत को रेखांकित करते हुए कहा कि अनुच्छेद 3(1)(बी)(5) की वैधता को चुनौती में गंभीर संवैधानिक प्रश्न शामिल हैं और बंबई हाई कोर्ट द्वारा 'अभिव्यक्ति की आजादी' और अभिव्यक्ति पर नियमों के प्रभाव का विश्लेषण जरूरी था। आज अभिव्यक्ति के मंचों का स्वरूप जिस तरह बदला है और अलग-अलग तरीकों से अपनी बात कहने की कोशिश की जाती है। सरकार ने तथ्य जांच इकाई से संबंधित जो अधिसूचना जारी की थी, उसके मुताबिक वह इकाई सोशल मीडिया के विभिन्न मंच, मसलन 'फेसबुक', 'एक्स' या 'इंस्टाग्राम' आदि पर डाली गई सामग्रियों की निगरानी कर सकती है और किसी जानकारी को फर्जी और गलत बता सकती है। अगर वह तथ्य जांच इकाई किसी सामग्री पर आपत्ति जताती है तो सोशल मीडिया के संबंधित मंच को न सिर्फ उसे हटाना होगा, बल्कि उसके इंटरनेट पते यानी यूआरएल को भी प्रतिबंधित करना होगा। सवाल है कि सरकार के मातहत काम करने वाली एक एजंसी आखिरी तौर पर यह कैसे तय करेगी कि कोई सामग्री गलत या सही है! क्या ऐसे में उसके मनमाना रवैया अख्तियार कर लेने और सोशल मीडिया पर जारी किसी टिप्पणी या राय की सुविधाजनक तरीके से व्याख्या करके सही या गलत करार देने की आशंका नहीं पैदा होगी? एक ओर देश के संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बतौर अधिकार दर्ज है, तो दूसरी ओर अपनी सुविधा के मुताबिक उसकी मनमानी व्याख्या करके किसी मुद्दे पर लोगों को अपना पक्ष रखने को बाधित या हतोत्साहित करने की व्यवस्था की जाती है। यों भी अगर सोशल मीडिया पर कोई व्यक्ति अपनी राय जाहिर करता है, तो उसकी सच्चाई तय करने का अधिकार किसी सरकारी एजंसी के हाथों में केंद्रित क्यों होनी चाहिए! सही है कि इंटरनेट पर फर्जी सूचनाओं का संजाल भ्रामक धारणाओं का निर्माण करता है। मगर ऐसा किसी भी पक्ष की ओर से किया जा सकता है। इसे लेकर जागरूकता का प्रसार किए जाने की जरूरत है कि लोग किसी सूचना के सच या झूठ होने को लेकर सजग रहें और खुद पड़ताल करें। मगर किन्हीं हालात में यह व्यवस्था लागू की ही जाती है तो उसके नतीजों का अंदाजा लगाना क्या इतना मुश्किल है? क्या इसके स्वतंत्र अभिव्यक्ति या विरोध की आवाज को दबाने के औजार में तब्दील हो जाने की स्थितियां नहीं पैदा होंगी? कहीं भी लोकतंत्र तभी जिंदा रहता है, जब वहां पक्ष और विपक्ष के बीच अलग-अलग मसलों पर बहसें होती हैं और अभिव्यक्ति की आजादी के साथ विमर्श होता है। इस लिहाज से देखें तो तथ्य जांच इकाई के मसले पर सुप्रीम कोर्ट का रुख जरूरी और स्वागतयोग्य है।

क्या मप्र में कांग्रेस का खेल खराब करेगी बसपा?

सिद्धार्थ शंकर गौतम

चुनावों से महीनों पूर्व प्रत्याशियों की घोषणा करने वाली बसपा में इस समय सन्नाटा छाया हुआ है। कांग्रेस के प्रयासों के चलते इंडिया गठबंधन में शामिल होने की बची-खुची संभावनाओं के बीच मायावती की ओर से उत्तर प्रदेश में प्रत्याशी चयन को लेकर खामोशी यह इंगित करती है कि बसपा में अभी कुछ भी ठीक नहीं है। जिस राज्य में मायावती 4 बार मुख्यमंत्री रही हों और लोकसभा चुनाव में पार्टी के सांसद भी जीतते रहे हों, वहां 80 लोकसभा सीटों में से अब तक मात्र 13 प्रत्याशियों की घोषणा करना कहीं न कहीं राज्य में बसपा के राजनीतिक पतन की कहानी कह रहा है। हालांकि मध्य प्रदेश के परिपेक्ष्य में ऐसा कहना अभी जल्दबाजी होगा क्योंकि भाजपा और कांग्रेस अपने जिन नेताओं को पार्टी अधिकृत प्रत्याशी नहीं बनाती है, वे सपा-बसपा के टिकट पर अपनी राजनीतिक पारी को आगे बढ़ाते हैं। कई बार इस कवायद में उन्हें सफलता मिलती है तो अधिकांश चुनावों में ये प्रत्याशी किसी न किसी की जीत का गणित बिगाड़ देते हैं। मध्य प्रदेश में बसपा ने ऐसा कई बार किया है और इस बार भी ऐसे संकेत मिल रहे हैं क्योंकि कई लोकसभा सीटों पर आयातित नेताओं ने हाथी के सहारे अपनी चाल चलने की तैयारी कर ली है। सपा, कांग्रेस और भाजपा में रह चुके तथा अलग विंध्य प्रदेश की मांग का नेतृत्व करने वाले पूर्व विधायक नारायण त्रिपाठी ने बसपा का दामन थाम लिया और पार्टी ने भी बिना देर किए उन्हें सतना लोकसभा सीट से अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। इसके अलावा खजुराहो से कमलेश पटेल, सीधी से पूजनराम साकेत, मंडला से इंदर सिंह उईके, छिंदवाड़ा से उमाकांत बंदेवार, मंदसौर से कन्हैयालाल मालवीय और बैतूल से अशोक भलावी को बसपा ने अपना प्रत्याशी बनाया है। हालांकि पहली सूची के अनुसार, इन सभी में नारायण त्रिपाठी ही किला लड़ाने की क्षमता रखते हैं क्योंकि भाजपा-कांग्रेस ने पिछड़े वर्ग के प्रत्याशी उतारकर सतना में ब्राह्मण और क्षत्रियों को एकजुट होने का अवसर दे दिया है। दलबदलू छवि के बाद भी नारायण त्रिपाठी लड़ाकू नेता माने जाते हैं और अलग विंध्य प्रदेश की मांग के आंदोलन ने उन्हें बड़ी प्रसिद्धि दी है। यदि वे सतना में चमत्कार कर दें तो बसपा के लिए वर्तमान परिदृश्य में बड़ी बात होगी। एक समय समाजवादियों का गढ़ रहा विंध्य क्षेत्र बसपा की दलित राजनीति की पहली प्रयोगशाला बना था। रीवा संसदीय सीट पहली ऐसी सीट थी जिसने देश में बसपा का पहला सांसद दिया था। 1991 के लोकसभा चुनाव में रीवा लोकसभा सीट से बसपा प्रत्याशी भीम सिंह पटेल ने विंध्य के सफेद शेर कहे जाने वाले दिग्गज कांग्रेसी नेता श्रीनिवास तिवारी को हराया था। 1996 में बुद्धसेन पटेल और 2009 में देवराज पटेल भी रीवा से बसपा सांसद बनने में सफल रहे थे। इसके बाद बसपा का ग्राफ इस क्षेत्र में अप्रत्याशित रूप से गिरा जिसका सीधा लाभ भाजपा को हुआ। वर्तमान में बसपा यहां दूसरे या तीसरे नंबर की पार्टी है और इसके प्रत्याशी किसी भी राजनीतिक दल का गणित बिगाड़ने की क्षमता रखते हैं। रीवा से ही लगी सतना लोकसभा सीट पर भी बसपा अपना परचम लहराने में सफल रही है। 1996 के लोकसभा चुनाव में बसपा के सुखलाल कुशवाहा ने भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री वीरेंद्र कुमार सकलेचा और कांग्रेस से टूट कर बनी तिवारी कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह को हराकर देशवासियों को अचंभित कर दिया था। हालांकि बसपा इस जीत को कायम नहीं रख सकी और उसका जनाधार सतना लोकसभा में सिकुड़ता चला गया। यह भी कम दिलचस्प नहीं है कि जिन सुखलाल कुशवाहा ने सतना में बसपा का खाता खोला था, इस बार उनका पुत्र सिद्धार्थ कुशवाहा कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर भाजपा के गणेश सिंह से मुकाबला करते दिखेगा। विंध्य क्षेत्र की ही सीधी और शहडोल लोकसभा सीट पर भी बसपा प्रत्याशी कई बार कांग्रेस के लिए परेशानी का सबब बने हैं जिसका लाभ सीधे तौर पर भाजपा को मिलता है। हालांकि इन दोनों लोकसभा सीटों पर बसपा का खाता अभी तक नहीं खुला है। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे चंबल क्षेत्र में भी बसपा ने कई बार भाजपा-कांग्रेस का सियासी गणित बिगाड़ा है। 2014 के लोकसभा चुनाव में मुरैना लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के भांजे अनूप मिश्रा के सामने कांग्रेस के कद्दावर नेता डॉ. गोविंद सिंह लड़ रहे थे। इस लोकसभा सीट पर जातिवाद हावी है अतः ब्राह्मण और क्षत्रिय दो खेमों में बंट गए थे। ऐसे में बसपा ने क्षत्रिय समाज के ही वृन्दावन सिकरवार को उतारकर डॉ. गोविंद सिंह की हार सुनिश्चित कर दी। कांग्रेस के डॉ. गोविंद सिंह तीसरे स्थान पर रहे। इस बार अभी तक बसपा ने इस सीट के लिए अपने प्रत्याशी का एलान नहीं किया है किंतु कांग्रेस की सांसें इस सीट पर अटकी हुई हैं। यही कारण है कि कांग्रेस बसपा के प्रत्याशी की घोषणा के बाद ही अपना प्रत्याशी उतारेगी। अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित भिंड सीट पर मामला और रोमांचक है। मध्य प्रदेश में बसपा के हाथी को पहचान दिलाने वाले पूर्व बसपा प्रदेश अध्यक्ष फूल सिंह बरैया अब कांग्रेस के साथ हैं और भिंड से भाजपा की संध्या राय के सामने मजबूती से खड़े हो गए हैं। यानी 2019 का लोकसभा चुनाव जो संध्या राय के लिए आसान था, वह अब मुश्किल हो गया है क्योंकि फूल सिंह बरैया को कांग्रेस के साथ ही बसपा के कोर वोटर का भी समर्थन मिलता दिख रहा है। यहां अभी बसपा ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं और संभवतः फूल सिंह बरैया से मायावती के संबंधों के चलते भाजपा-कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला हो। यहां गौर करने वाली बात है कि उत्तर प्रदेश से ही सटे मप्र के बुंदेलखंड वाले हिस्से में आने वाली लोकसभा सीटों पर साइकिल ने हमेशा ही हाथी की चाल को पस्त किया है। सागर, टीकमगढ़, खजुराहो, दमोह लोकसभा सीटों पर बसपा मात्र प्रतीकात्मक रूप से ही अपने प्रत्याशी उतारती है जबकि उसके हाथ कुछ नहीं लगता। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो प्रदेश में कांग्रेस प्रत्याशियों की घोषणा में देरी का कारण भी कहीं न कहीं बसपा फैक्टर है क्योंकि दोनों ही दल जाति-वर्ग आधारित राजनीति करते हैं।

अपनों के संग जीने में आनंद ही आनंद...

सुरेश कुमार मिश्रा 'उतृप्त'

कहते हैं जिंदगी दो दिन का तराना है। आज आना और कल जाना है। इतने छोटे-से जीवन पर कैसा अहंकार? हमें नहीं पता कि जन्म से पूर्व हम क्या थे और मरने के बाद कहां जाएंगे! हमारे हिस्से में जो बचा है, वह आज है। क्यों न इस आज को जिंदादिली के साथ जीएं, हंसे-हंसाए और मुस्कुराएं। यहां सब अपने हैं, कोई पराया नहीं है। सच्चे दिल से देखा जाए तो कोई इंसान बुरा नहीं है। कभी-कभी दुख का ग्रहण इतना गहरा जाता है कि हमारे अपने भी दुखदायी लगने लगते हैं। दूसरी ओर, जब सुख की पूर्णिमा छा जाती है तो पराये भी अपने लगने लगते हैं। यही सब लोग हमारी जिंदगी के असली रंग हैं। इनके बिना जीवन फीका-फीका लगता है। देखा जाए तो किसकी जिंदगी में दुख नहीं है! सच यह है कि सुख और दुख का अभिन्न साथ होता है। इसीलिए अपनों के संग जीने के रंग का जो आनंद है, वह कहीं और नहीं है। यही वे पल होते हैं जो हमारे अकेलेपन में गुदगुदी का अहसास देते हैं। ऐसा न हो कि हम मृत्युशैया पर लेटे रहें और अतीत में जीवनोत्सव न मनाने की कसक चुभती रहे। जीने को तो कीड़े-मकोड़े भी जी लेते हैं। मगर वह भी कोई जीना है? असली सुख एक पल में सारी जिंदगी को जी लेने में है। अंत समय में हमारे पास कुछ रहे न रहे, खुशी के ये रंग जरूर रहेंगे। जिंदगी की होली में खुशियों के रंग बहुत कम लोगों को नसीब होते हैं। इंद्रधनुषी रंगों से भरे पल हमारी जिंदगी की खूबसूरती बढ़ाने के साथ-साथ हममें नई ऊर्जा भरते हैं। हर रंग हमसे कुछ कहना चाहते हैं। हमसे बतियाना चाहते हैं। हमें गले लगाना चाहते हैं। जिंदगी के भीतर सफेद रंग अपनी चादर बिछा दे तो चारों ओर सुख-चैन फैल जाता है। न किसी से दुश्मनी, न किसी से झगड़ा। चेहरे पर लाल रंग की लालिमा एक तरह की ऊर्जा भर देती है। सब कुछ गजब लगने लगता है। खुद पर भरोसा करने लगते हैं। उसी भरोसे के सहारे दूसरों के दिल जीतने लगते हैं। संभावनाओं की हरियाली बढ़ जाती है। यही हरियाली हमारी जिंदगी में फैले दुखों के रेगिस्तान में खुशहाली बनकर आती है। यहीं से पैदा होता है हल्दी के शुद्ध पीलेपन-सी अच्छाई और भलाई करने का गुण। अच्छाई का पीलापन जैसे-जैसे एक से दूसरे हाथ फैलता है तो बुराई की सोच खुद-ब-खुद मिट जाती है। कोई रंग अच्छा या बुरा नहीं होता। आदमी की सोच बुरी हो सकती है। रंगों को धर्म, जात-पात के नाम पर बांटना बेवकूफी है। रंग में इंसान को नहीं, इंसान के रंग को पहचानने की कोशिश करनी चाहिए। धर्म के ठेकेदारों के पास तो सबके जवाब होते हैं। क्या वे बता सकते हैं कि अगर खून का रंग लाल है तो पीड़ा का रंग क्या है? कागज पर लिखे काले रंग का मन में कौन-सा रंग बनता है, यह बताना मुश्किल है। इसका अनुभव करना तो और मुश्किल है। इसलिए हरे या केसरिया रंग को किसी मजहब से जोड़ना बेमानी है। इस विभाजन को खत्म करना जरूरी है। दुनिया के सभी लोग फसलों में हरियाली, चूल्हे की आग में केसरिया रंग देखते हैं। अनाजों में सफेद-पीला और न जाने क्या-क्या रंग देखते हैं, जो भी देखते हैं उसमें अपनी जिंदगी देखते हैं।अक्सर लोगों को कहते सुना है कि उन्हें फलां दिन बहुत प्रिय थे और वे उसे फिर से जीना चाहते हैं। जबकि कुछ लोगों के साथ कभी ऐसा नहीं लगा, वे गुजरे किसी भी समय को नहीं जीना चाहते। उन्हें नहीं लगता कि जीवन में समस्याओं की कमी है। समस्याएं तब थीं और अब भी हैं। सबकी अपनी-अपनी समस्याएं होती हैं और वे उतनी ही जटिल लगती हैं, जितनी कि आज हैं। बस आज हम दूर खड़े होकर देख रहे हैं, इसलिए वे छोटी लग रही हैं। अगर हम यही कला सीख लें तो कोई भी दुख हमें उतना प्रभावित नहीं कर पाएगा, जितना आज कर देता है। जीवन के सारे रंग सुख-दुख में बंटे हुए हैं। यही रंग जीवन के हर पड़ाव पर हमें वेश बदल-बदल कर मिलते हैं और हमें हर बार लगता है कि ऐसा तो पहली बार हुआ है। जबकि पूरा वही चक्र जीवन भर स्वयं को दोहराता रहता है। इसलिए जिंदगी को जिंदादिली के साथ जीने का प्रयास करना चाहिए। उसके तराने को समझने, गुनगुनाने और मजा लेने का जिगरा रखना चाहिए। हम इस भुलावे में कभी न रहें कि रंगों का अपना कोई अस्तित्व होता है। इस दुनिया में किसी भी चीज में रंग नहीं है।

चुनौतियों के बीच चुनाव एक मिसाल

(विभूति नारायण राय, पूर्व आईपीएस अधिकारी)

सोलह मार्च 2024 को 18वीं लोकसभा के लिए भारत के केंद्रीय निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव की तारीखें घोषित किए जाने के साथ ही, विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र (नब्बे करोड़ से अधिक मतदाताओं वाले) में संघर्ष की रणभेरी बज उठी है। 4 जून की देर रात तक या उसके भी बाद, जब तक मतगणना समाप्त नहीं हो जाएगी, यह संघर्ष पूरी शिद्दत के साथ चलता रहेगा। इसमें रहस्य, रोमांच, उत्सुकता और आशा-निराशा का द्वंद्व तब तक समाप्त नहीं होगा, जब तक 543 सीटों के लिए लड़ने वाले उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला नहीं हो जाता। अपनी भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक विविधताओं के चलते भारतीय चुनाव दुनिया भर के पर्यवेक्षकों के लिए हमेशा उत्सुकता के विषय रहे हैं। खास तौर से पश्चिम के राजनीतिक पंडित तो शुरू से ही भारत मे चुनावों की सफलता और निष्पक्षता को लेकर सशंकित रहे हैं। ब्रिटिश राजनेता चर्चिल शांतिपूर्ण तरीकों से अपनी सरकारें चुनने को लेकर भारतीय क्षमता के प्रति इतना आशंकित था कि यह मानता था कि अंग्रेजों के जाते ही यहां खून की बारिशें होंगी, पर ऐसा कुछ हुआ नहीं। देश के पहले निर्वाचन आयुक्त सुकुमार सेन ने पहला आम चुनाव जल्दी कराने की प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की जिद पूरा करने के रास्ते में जिन बाधाओं का जिक्र किया था, उनमें से एक बाधा का उल्लेख ही उनके सामने पहाड़ की तरह खड़ी समस्याओं को समझने में मददगार होगा। चुनाव के लिए सबसे जरूरी मतदाता सूची की तैयारी को लेकर निर्वाचन आयोग की समझ तब गड़बड़ा गई, जब उन्होंने पाया कि एक क्षेत्र में कई सौ महिलाओं ने अपने पति का एक ही नाम लिखवाया था। इसके पीछे शिक्षा के अभाव के साथ-साथ वह सामाजिक परंपरा भी थी, जिसके तहत महिलाएं अपने पतियों का नाम नहीं लेती थीं। एक ने पति का नाम पूछने पर किसी प्राकृतिक अवयव की तरफ इशारा किया और फिर बाद में आने वाली सभी सिर्फ 'वही' के इशारे में सिर हिलाती गईं। दुर्गम भौगोलिक इलाकों वाले इतने विशाल देश में मतदान केंद्रों तक चुनाव कर्मियों को अपने साजो-सामान के साथ पहुंचाना, उनकी सुरक्षा का इंतजाम करना और फिर चुनाव समाप्त करा कर उन्हें वापस मुख्यालय लाना कितनी कठिन परीक्षा रही होगी, इसका तो आज अंदाज ही लगाया जा सकता है। यह एक बड़ी उपलब्धि मानी जाएगी कि सत्तरह लोकसभाएं इस प्रक्रिया से चुनी गई हैं और यह भी कम उल्लेखनीय नहीं है कि हर चुनाव के बाद उत्तरोत्तर हिंसा की घटनाएं कम होती गईं। कुछ अपवादों को छोड़ दें, तो आम तौर से चुनावी नतीजों को सभी पक्षों ने स्वीकार भी किया है। आठ दशकों में पसरे इस चुनावी सफर की कोई भी कहानी अधूरी ही रह जाएगी, यदि भारतीय निर्वाचन आयोग का उल्लेख न किया जाए। पहले निर्वाचन आयुक्त सुकुमार सेन को चुनकर नेहरू जी लाए थे और अपनी सूझबूझ, मेहनत के बल पर उन्होंने एक ऐसी नींव डाली, जिसके बल पर वर्षों तक यह संस्था काम करती रही। स्वातंत्र्योत्तर भारत के शुरुआती दो दशक स्वप्नजीवी आदर्शों के दशक थे, पर साठोत्तरी भारत की कहानी सपनों से मोहभंग की कहानी है और इसके बहुत से असरात में से एक जीवन के हर क्षेत्र में बढ़ती हिंसा केरूप में दिखता है। चुनाव भी क्रमशः बाहुबल और धनबल का खेल होते चले गए। इनके लिए बदलते मूल्यों के साथ अक्षम और निष्क्रिय चुनाव आयोग मुख्य रूप से जिम्मेदार रहा। आयोग आमतौर से सत्ताधारी दलों की धांधलियों पर अपनी आंखें मूंद लेता था। निराशा के इस घटाटोप में अचानक एक ऐसे देवदूत का मंच पर प्रवेश हुआ।

आज का राशिफल

मेष : [illegible]

वृषभ : [illegible]

मिथुन : [illegible]

कर्क : [illegible]

सिंह : [illegible]

कन्या : [illegible]

तुला : [illegible]

वृश्चिक : [illegible]

धनु : [illegible]

मकर : [illegible]

कुंभ : [illegible]

मीन : [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5185

			4	5		8		
		6	3		9			2
4	2							7
9		2					8	
		3	2	1	8	7		
	5					1		4
7							9	5
2			5		7	3		
		1		2	3			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5184

5	4	2	6	8	1	9	7	3
9	6	7	3	4	5	2	8	1
8	1	3	9	2	7	6	5	4
2	9	1	7	3	8	5	4	6
6	3	5	2	1	4	7	9	8
7	8	4	5	9	6	3	1	2
3	2	8	4	5	9	1	6	7
4	5	6	1	7	3	8	2	9
1	7	9	8	6	2	4	3	5

वर्ग पहेली 5185

1	2	3		4	5		■
6			■	7		■	8
	■	9			■	■	
10	11		■	12	13	14	
15		■	16	■	17		
■	18	19	■	20			■
21			■		■	22	23
	■	24		■	25		

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1965 को इस महिला ने जन्म लिया था जो ओलंपिक [illegible] के माध्यम से ओलंपिक जाने वाली भारतीय मूल की दूसरी महिला बनी (7)
6. बुरा लगना, खटकना (3)
7. एक पहर, तीन घंटे का समय (2)
9. कम उम्र का लड़का (3)
10. [illegible] (3)
12. [illegible] (4)
15. धन, [illegible] (2)
16. पृथ्वी, धरती (1)
17. [illegible] (3)
18. यह [illegible] का पुराना नाम है (2)
20. नेपाल-तिब्बत [illegible] पर्वतों पर आरोहण में निपुण पहाड़ी जन-जाति के लोग (3)
21. बीता हुआ, गया हुआ (3)
22. धोखा देकर माल या असबाब लूटने वाला (2)
24. फटा हुआ कपड़ा, चीथड़ा (2)
25. बल, शक्ति, ताकत, दम (3)

ऊपर से नीचे

1. सुख देने वाला, सुखदायक (5)
2. श्रीराम की सेना का [illegible] वानर (2)
3. लंबाई के बल जाने और चौड़ाई के [illegible] (4)
4. [illegible], गुण, सामर्थ्य (4)
5. दो की संख्या, [illegible] (2)
8. धीरे-धीरे आगे बढ़ना, [illegible] (4)
11. मेल-जोल का व्यक्ति (4)
13. युद्ध, लड़ाई (3)
14. [illegible] (5)
19. [illegible] (3)
20. [illegible] (2)
21. पुराणानुसार एक सूर्यवंशी राजा जो दशरथ के पिता थे (2)
23. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5184 का हल

क	का	हा	ब	र	ही	■	स
नी	र	ज	■	नि	ना	य	क
न	ज	मा	■	ला	■	दि	न
■	र	■	सा	र	ना	■	■
अ	■	दा	■	बी	सि	स	■
मे	घ	दू	त	■	क	ला	म
ज	न	■	मी	रा	■	ग	■
न	क	ब	ज	न	■	त	व

विवाह सम्मेलन की तैयारियों को लेकर मालवीय समाज की बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। दिनांक 18 अप्रैल 2024 गुरुवार को भादवामाताजी में आयोजित होने वाले 18 वां आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन में 18 जोडों का विवाह गायत्री परिवार नीमच के द्वारा संपन्न करवाया जाएगा। संस्थापक अशोक खिंची पूर्व जिला पंचायत सदस्य पिपलिया मंडी, अध्यक्ष गोविंद बिलोदिया कुकडेश्वर ने बताया है कि दिनांक 18 अप्रैल 2024 गुरुवार को पाटीदार समाज धर्मशाला एवं मालवीय समाज धर्मशाला भादवामाताजी में आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। वर वधु की शोभायात्रा ढोल ढमाकों के साथ घोडा बग्गी में निकाली जाएगी।

मध्य प्रदेश एवं राजस्थान के सभी मालवीय, सालवी, मेहर, बुनकर समाज बंधुओ के सहयोग से आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में दिनांक 17 अप्रैल 7 बजे पाटीदार समाज धर्मशाला में दूरदर्शन एवं आकाशवाणी गायक कलाकार श्री प्रीतम मालवीय शाजापुर विशाल निर्गुण कबीर भजन एवं सुप्रसिद्ध खाटू श्याम भजन गायक श्री विष्णु परिहार सुदवास, मंदसौर के द्वारा श्री कृष्ण भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन की आवश्यक तैयारियां को मूर्त रूप देने के लिए विभिन्न प्रकार की सेवाओं के लिए समितियो का गठन किया गया। वर वधु को लग्न पाती के साथ दूल्हा-दुल्हन के कपडे प्रदान करने के लिए मालवीय समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक दिनांक 23 मार्च को दोपहर 1 बजे मालवीय समाज धर्मशाला भादवा माताजी में दुधाखेडी धर्मशाला समिति कोषाध्यक्ष श्री घनश्याम मेहर भानपुरा एवं वरिष्ठ समाजसेवी श्री उदयलाल मालवीय छोटी सादडी की अध्यक्षता में एवं राजस्थान अखिल भारतीय मालवीय सालवी समाज एलवा माता धर्मशाला ट्रस्ट अध्यक्ष रामलाल सालवी निंबाहेडा, अखिल भारतीय मालवीय बलाई समाज युवा संगठन प्रदेश अध्यक्ष अशोक खिंची, भादवामाताजी सामूहिक विवाह सम्मेलन के अध्यक्ष गोविंद बिलोदिया कुकडेश्वर, पूर्व अध्यक्ष मांगीलाल पंचोली, अखिल भारतीय मालवीय बलाई समाज युवा संगठन जिलाध्यक्ष आनंद पिछोलिया नीमच की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक की शुरुआत महामाया भादवामाताजी, सदगुरु कबीर साहब एवं भारत रत्न बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। बैठक में मुख्य रूप से सम्मेलन सम्मेलन संयोजक गुड्डू भाई मालवीय नीमच, अध्यक्ष गोविंद बिलोदिया, उपाध्यक्ष तुलसीराम मालवीय जवासा ,उपाध्यक्ष प्रभुलाल सियार, कोषाध्यक्ष बाबूलाल सांखला, सहसचिव झमकलाल परिहार, मीडिया प्रभारी उमेश मालवीय, मालवीय समाज मनासा तहसील युवा संगठन अध्यक्ष दिनेश मालवीय, जावद तहसील अध्यक्ष जगदीश मालवीय उपरेडा, नीमच मालवीय समाज तहसील अध्यक्ष भैरूलाल मालवीय भादवामाता, जीरन तहसील अध्यक्ष राधेश्याम मालवीय पालसोडा, मदनलाल परिहार बरखेडा देवडूंगरी, ईश्वरलाल मालवीय ,कंवरलाल मालवीय भादवामाता, दिनेश कुमार मालवीय कालियाखेडी गुजरान, मुकेश मालवीय महागढ, दौलतराम पंचोली , कन्हैयालाल पंचोली, अमृतलाल मालवीय भादवामाता, ड्मरलाल बामनिया पत्रकार जवासा, राकेश मालवीय जवासा, प्रकाश मालवीय जवासा, मोहनलाल मालवीय, यश मालवीय रातीखेडी, रमेशचंद परमार, मदनलाल परमार ढाकनी, कंवरलाल मालवीय, गोविंद मालवीय, नागेश्वर राठौर चीताखेडा, राजेंद्र मालवीय कनेरा, राकेश मालवीय जवासा, भेरूलाल मालवीय बरखेडा देव, वर्दीचंद सोलंकी, गोपाल सोलंकी नीमच सिटी, माखनलाल पंचोली मनासा, जैतराम मालवीय सावन, पुष्कर मालवीय सावन, डॉक्टर शौकीन सोलंकी मनासा खुर्द, अनिल मालवीय पिपलिया रावजी रवि मालवीय , गोविंद मालवीय अल्हेड आदि अनेक समाज जनों ने उपस्थित होकर सम्मेलन को सफल बनाने में अपने महत्वपूर्ण सुझाव व्यक्त किए गए। बैठक का संचालन पूर्व जिला पंचायत सदस्य अशोक खींची पिपलिया मंडी ने किया। आभार प्रदर्शन सम्मेलन अध्यक्ष गोविंद बिलोदिया कुकडेश्वर के द्वारा व्यक्त किया गया।

हम भी मतदान करेंगे तथा प्रत्येक व्यक्ति को मतदान के लिये प्रेरित करेंगे

मंदसौर, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। श्री जांगडा पोरवाल समाज महिला मंडल मंदसौर हमेशा से ही महिलाओं को मतदान के लिए जागरूक करती रही हैं ।इसी तारतम्य में पोरवाल छात्रावास में आयोजित एक कार्यक्रम के अवसर पर महिला मंडल अध्यक्ष कुसुम सेठिया ने उपस्थित समाज की महिलाओं को आगामी लोकसभा चुनाव में अनिवार्य रूप से मतदान करने की शपथ दिलाई।

उपस्थित महिलाओं से शपथ ली कि- हम भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण निष्ठा रखते हुए, देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखने तथा स्वतंत्र, निष्पक एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। साथ ही अपने सम्पर्क में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को भी मतदान के लिए प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर मार्गदर्शक मंडल निर्मला मांदलिया, संतोष फरक्या सचिव प्रमिला संघवी कोषाध्यक्ष रेखा उदिया, नगर पालिका सभापति शांति फरक्या, सीमा पोरवाल, रेखा पोरवाल, संतोष मोदी, गायत्री पोरवाल, सरिता गुप्ता, विद्या गुप्ता, रेखा मांदलिया, साधना मांदलिया, उमा गुप्ता, अर्चना मुजावदिया, सुनीता सेठिया, जागृति सेठिया, सीमा उदिया, ममता मुजावदिया, ममता रत्नावत, रानी रत्नावत, अलका मुजावदिया, प्रेमलता गुप्ता, सुशीला मोदी, हेमलता गुप्ता, सुनीता धनोतिया, रेखा मंडवारिया, इंदु फरक्या, लीला मंडवारिया, मनीषा सेठिया, सुधा फरक्या, निधि गुप्ता, ममता सेठिया, मधु सेठिया, शकुन्तला मोदी, निर्मला गुप्ता, सुनीता मंडवारिया, कौशल्या गुप्ता, विद्या सेठिया, सुशीला घाटिया, मनीषा गुप्ता, कीर्ति धनोतिया, सोनिया सेठिया के साथ समाज की कई महिलाएं उपस्थित थी। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रिया फरक्या ने दी।

गणपति चौक में होलिका दहन आज

मंदसौर, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। सेठ ईलाजी नाथूराम ट्रस्ट के तत्वाधान में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी होली का पर्व पर उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाएगा। होली का दहन 25 मार्च सोमवार को प्रात: 6:25 पर विधि विधान के साथ किया जाएगा। तत्पश्चात धुलेंडी पर्व आरंभ हो जाएगा।

इस आशय की जानकारी देते हुए ट्रस्ट के अध्यक्ष पंडित दिलीप शर्मा ,उपाध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल , ट्रस्टी गण सर्व श्री डा कुशल शर्मा, गोपाल मंडोवरा, राजकुमार सिंघल , राजेश डोसी , ओंकारलाल शर्मा कल्लू भैया, नेम गांधी और विपिन गर्ग बारिक ने बताया कि जंनकुपुरा गणपति चौक की होली की एक अपनी परंपरा है इस परंपरा के अंतर्गत होली का दहन भी पूरे विधि विधान के साथ किया जाता है। इस वर्ष धुलेंडी पर्व पर होलिका दहन प्रात: 6: 25 पर होगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष पण्डित शर्मा तथा उपाध्यक्ष श्री अग्रवाल ने सभी धर्मालुजन से आव्हान किया कि शुभ मुहूर्त में होलिका दहन के उत्सव में सपरिवार शामिल होये।

अग्रवाल समाज महिला मंडल द्वारा फाग महोत्सव मनाया

मंदसौर, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। अग्रवाल समाज महिला मंडल द्वारा होली के पर्व पर जनकुपूरा गणपति चौक स्थित श्री नरसिंह मंदिर परिसर में भव्य फाग महोत्सव मनाया गया। जहां पर रंग बिरंगी गुलाल एवं फूलों से महिलाओं ने खूब जमकर होली खेली और राधा कृष्ण बनकर ढोल की थाप पर भजनों की प्रस्तुति भी दी गई फाग महोत्सव के दौरान महिलाओं ने नरसिंह मंदिर में 3 घंटे तक खूब भजन कीर्तन कीए। भगवान के गीतों पर महिलाओ ने खूब नृत्य भी किया और रंग रंगीला फाग महोत्सव उत्साह के साथ मनाया गया।

इस आशय की जानकारी देते हुए अग्रवाल महिला मंडल की प्रमुख बिना गर्ग ने बताया कि अग्रवाल समाज महिला मंडल द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी नरसिंह मंदिर में भगवान के संग भक्तों द्वारा होली खेली गई यह होली रंग बिरंगी गुलाल एवं फूलों से युक्त थी जहां पर ढोल की थाप पर मातृशक्ति ने नृत्य भी किया तो भजनों की वर्षा भी की। एक से बढ़कर एक भक्ति भाव से पूर्ण भजन मातृशक्ति ने गाए। भगवान राधा कृष्ण का स्वरूप श्वेता अग्रवाल, सपना कबाडी, रितु गर्ग एवं रुचि गर्ग ने धारण किया। फाग महोत्सव में श्रीमती हीरामणि गर्ग, पुष्पा मित्तल ,उषा गर्ग ,अमिता गर्ग, अहिल्या गोयल ,रेखा अग्रवाल, रानी अग्रवाल, नीलम अग्रवाल, सीमा अग्रवाल ,मीनाक्षी अग्रवाल, रेनू कबाडी, अर्चना अग्रवाल, सोनू अग्रवाल, सुनीता मित्तल, स्वीटी अग्रवाल, सोनाली अग्रवाल, इंदिरा गर्ग, प्रभा अग्रवाल ,रिंकू अग्रवाल एवं शशि अग्रवाल सहित बडी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित थी।

जनअभियान परिषद की नवभोर समग्र सेवा संस्था द्वारा...

युवाओं को मतदान के प्रति जागरूक कर दिलाई शपथ

नीमच, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत नीमच जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्री दिनेश जैन एवं नोडल अधिकारी स्वीप जिला पंचायत सीईओ श्री गुरुप्रसाद के निर्देशानुसार तथा मप्र जनअभियान परिषद के जिला समन्वयक वीरेन्द्र सिंह ठाकुर, ब्लॉक समन्वयक श्री महेंद्रपालसिंह भाटी के मार्गदर्शन में जावद ब्लाक की नवांकुर संस्था नवभोर समग्र सेवा संस्था द्वारा स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाता जागरूकता गतिविधि व मतदाता जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिसमे युवाओ को मतदान के बारे में जागरूक कर मतदाता की शपथ दिलाई गई। इस दौरान कार्यक्रम समन्वयक श्री अजय सेन द्वारा सभी युवाओ को लोकसभा निर्वाचन में अधिक से अधिक मतदान करने हेतु समझाते हुए कहा, कि 1 अप्रैल को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवा मतदाता सूची में अपना नाम जुडवाकर मतदान करे। तत्पश्चात मतदान जागरूकता रैली निकाली गई। जिसमें बडी संख्या में युवा उपस्थित थे। जागरूकता रैली में ग्रामवासियों को मतदान का महत्व और उपयोगिता बताते हुए शतप्रतिशत मतदान करने हेतु प्रेरित किया गया।

भाजपा की पांचवीं लिस्ट में 111 नाम

नईदिल्ली, 24 मार्च। भाजपा ने लोकसभा प्रत्याशियों की पांचवी लिस्ट जारी कर दी है। 111 प्रत्याशियों की इस सूची में हिमाचल प्रदेश के मंडी से कंगना रनोट, यूपी के मेरठ से अरुण गोविल, पुरी से संबित पात्रा को टिकट दिया गया है। झारखंड के दुमका से सीता सोरेन, यूपी केगाजियाबाद से अतुल गर्ग, हरियाणा के कुरूक्षेत्र से नवीन जिंदल को प्रत्याशी बनाया गया है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा ने संदेशखाली केस की पीड़ित को टिकट दिया है। इसी पीड़ित ने मामले को उठाया था, जिसके बाद शेख शाहजहां के करीबी ने थप्पड मारा था। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत से वरुण गांधी का टिकट कट गया है। यहां से कांग्रेस से भाजपा में आए जितिन प्रसाद को उतारा गया है। वरुण की मां मेनका गांधी को सुल्तानपुर से टिकट दिया गया है। बदायूं से स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी की जगह दुर्विजय शाक्य को टिकट दिया गया है। भाजपा अब तक 402 प्रत्याशियों के नामों का ऐलान कर चुकी है। इससे पहले चार लिस्टों में 291 प्रत्याशियों की घोषणा कर चुकी है।

राजस्थान में 3 सांसदों के टिकट काटे, 5 नए चेहरे उतारे- बीजेपी ने लोकसभा चुनाव के लिए राजस्थान की सीटों पर 7 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। 3 मौजूदा सांसदों के टिकट काट दिए गए हैं। वहीं 5 नए चेहरों को मौका दिया गया है। पहली लिस्ट में बीजेपी ने 15 लोकसभा सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए थे। भाजपा राजस्थान की 25 में से 22 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर चुकी है। बिहार के 17 उम्मीदवारों के नामों का भी ऐलान किया गया है। पार्टी ने नवादा से विवेक ठाकुर तो बेगूसराय से गिरिराज सिंह पर भरोसा जताया है। वहीं, लालू प्रसाद की बेटी मीसा भारती को एक बार फिर पाटलिपुत्र सीट से रामकृपाल यादव टक्कर देंगे। बक्सर सीट से अश्विनी चौबे का नाम कटा है और उनकी जगह मिथिलेश तिवारी को पार्टी ने उम्मीदवार बनाया है। मुजफ्फरपुर से अजय निषाद का टिकट इस बार कट गया है और उनकी जगह राज भूषण निषाद को प्रत्याशी बनाया गया है। वहीं, सासाराम सीट से छेदी पासवान का नाम कटा है और उनकी जगह पार्टी ने शिवेश राम पर भरोसा जताया है।

यूपी से 13 प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया गया है। पीलीभीत से वरुण गांधी का टिकट कट गया है। यहां से जितिन प्रसाद को उतारा गया है। मेरठ से अरुण गोविल, हाथरस से अनूप बाल्मीकि, बदायूं से स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी की जगह दुर्विजय शाक्य को टिकट दिया गया है। मुरादाबाद से सर्वेश सिंह, सहारनपुर से राघव लखनपाल, अलीगढ से सतीश गौतम, कानपुर से रमेश अवस्थी, सुल्तानपुर से मेनका गांधी, बरेली से छत्रपाल गंगवार को मैदान में उतारा है।

हरियाणा की सभी सीटों पर प्रत्याशी घोषित- भाजपा ने हरियाणा में बची 4 सीटों पर भी रविवार को लोकसभा उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। डॉ. अरविंद शर्मा रोहतक, नवीन जिंदल कुरुक्षेत्र और हिसार से रणजीत चौटाला चुनाव लडेंगे। सोनीपत से मौजूदा सांसद रमेश चंद्र कौशिक की टिकट काटकर मोहन लाल बडौली को उम्मीदवार बनाया गया है। कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाए गए नवीन जिंदल ने रविवार शाम को ही नई दिल्ली में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की 5वीं लिस्ट जारी कर दी है। इसके साथ ही झारखंड की बची हुई तीन सीटों पर भी उम्मीदवार उतार दिया है। जारी लिस्ट के मुताबिक चतरा लोकसभा सीट से कालीचरण सिंह को प्रत्याशी बनाया है। वहीं, दुमका लोकसभा एसटी (आरक्षित सीट) से हाल में ही जेएमएम छोड भाजपा में शामिल हुई सीता सोरेन को प्रत्याशी बनाया गया है। भाजपा ने यहां पहले सुनील सोरेन को टिकट दिया था। अब उनका पत्ता साफ हो गया है।

** होली **

होली रंगों का त्योहार लाई
रंगपंचमी व तेरस आई.....
हँसी खुशी के उत्सव लाई
राधा कृष्ण ने होली मनाई.....
झूमे नाचे ढोल बजाई
पलाश ने भी रंग चडाई.....
स्नेह खुशी के उत्सव लाई
होली रंगो के त्योहार लाई

कैलाश लोहार टकरावद

****

मेल मिलाप कराये होली

जात-पात नहीं देखती
अमीर गरीब नहीं सोचती
काला गोरा क्या होता
नहीं जानती ये होली
मेल मिलाप कराये होली।
एक दूजे मन भाए
रंग गुलाल तन लगाएं
सारे भ्रम मन धो डाले
हाथों में हाथ संग डोले
बहके कदम मिलाये होली।
ना कोई छीन झपटी
ना हो धक्का मुक्की
न करे किसी को नंगा
रंग डाले हो जाए चंगा
मन मुदित कराये होली।
छाया जिस घर में शोक
संग मिल जाए घर अनेक
बैठ लगाएं गुलाल ऐसा
याद न आये दु:ख कैसा
सब तनाव भूलाये होली
चमक उठा सारा गात
भूला पिया आया प्रभात
होली काम रंग में डूबे
मिलन दिन रात भूले
तन एकाकार कराये होली
लगा कपोल नेह जताए
रंग सांसों में घुल जाए
दोउ नैन हुए यों मदमाते
बिन बूटी के नाचे झूमे
छवि दिल में उतारे होली।

भगवती प्रसाद गेहलोत, पिपलियामंडी

नि:शुल्क बीपी जांच अभियान के तहत 13600 से अधिक लोगों को मिली सुविधा

नीमच, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिला प्रशासन द्वारा जिला केमिस्ट एसोसिएशन नीमच के सहयोग से मेडिकल स्टोर पर दवाईयां खरीदने के लिए आने वाले 30 से 50 वर्ष के व्यक्तियों के लिए नि:शुल्क ब्लड प्रेशर चेकअप सुविधा प्रारंभ होने से अभी तक विभिन्न मेडिकल स्टोरों द्वारा कुल 13681 व्यक्तियों का नि:शुल्क बी.पी. चेक किया गया है जिसमे से लगभग 1582 व्यक्तियों का ब्लड प्रेशर असामान्य पाया गया है, उन सभी को चिकित्सक को दिखाकर विस्तृत जांच कराने हेतु उचित सलाह मेडिकल संचालकों द्वारा दी गई है।

इस अभियान में नागरिक अपने समीप स्थित मेडिकल स्टोर पर जाकर अपना नि:शुल्क बी.पी. जांच करवा सकते है। जिससे कि असामान्य ब्लड प्रेशर पाए जाने पर उचित समय पर चिकित्सक की सलाह लें सकें, जिससे भविष्य में होने वाले गंभीर रोग, हृदयघात जैसी स्थिति से उन्हें बचाया जा सकें। मेडिकल स्टोर्स पर यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

डा. राजेश राजोरा किया स्वीप केलेन्डर का विमोचन

नीमच, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। अपर मुख्या सचिव जल संसाधन एवं उपाध्यहक्ष म.प्र नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण तथा उज्जैन संभाग के प्रभारी अपर मुख्यि सचिव डा. राजेश राजोरा ने रविवार को कलेक्ट्रोरेट सभाकक्ष नीमच में लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत प्रकाशित मतदाता जागरूकता गतिविधियों (स्वीप केलेन्डर) के केलेन्डर का विमोचन किया। इस मौके पर कलेक्टर श्री दिनेश जैन ,एसपी श्री अंकित जायसवाल, स्वीप नोडल अधिकारी श्री गुरूप्रसाद ,एडीएम सुश्री लक्ष्मी गामड व अन्य अधिकारीगण उपस्थित थें। ए.सी.एस डॉ राजेश राजोरा ने कलेक्ट्रोरेट के मुख्य प्रवेश हाल में स्थापित किये गये मतदाता जागरूकता मस्कजट का अनावरण भी किया।

अभा साहित्य परिषद की फागुन काव्य गोष्ठी संपन्न

फोटो साहित्य परिषद

मंदसौर, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय साहित्य परिषद जिला इकाई मंदसौर ने वरिष्ठपत्रकार घनश्याम बटवाल, गीतकार एवं गायक नंदकिशोर राठौर, कवि गोपाल बैरागी, राजेंद्र तिवारी, नरेंद्र सिंह राणावत, हस्ती सांखला, मोना छाबडा, विजय अग्निहोत्री, सुरेंद्र शर्मा पहलवान सा., नरेंद्र त्रिवेदी, मनीष कनोडिया, नरेंद्र भावसार व धुरव जैन के सानिध्य में संपन्न हुई। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार डॉ. घनश्याम बटवाल ने कहा कि होली प्रेम, स्नेह एवं सद्भाव का त्यौहार है। यह त्यौहार हमें समानता और समरसता का संदेश देता है। इस अवसर पर साहित्य परिषद ने गायक एवं गीतकार नंदकिशोर राठौर के होली गीत को जारी किया। गीतकार एवं गायक नंदकिशोर राठौर ने होली गीत मन को मान ले मत इनकार तू तो रंग लगा दे यार प्रस्तुत कर होली का आनंद दुगना कर दिया।

राजेंद्र तिवारी ने बिरज में होली खेलत नंदलाल , नरेंद्र सिंह राणावत ने हरी-हरी वसुंधरा हरा भरा यह चमन मेरा चमन मेरा , हस्ती सांखला ने जीवन-जीवन भर का पल दो पल की बात नहीं कविता प्रस्तुत की। विजय अग्निहोत्री ने आओ फाग उत्सव मनाएं प्रेम से सबको गले लगाए कविता सुनकर फाग उत्सव मनाया। गोपाल बैरागी ने मैं इस होली पर फागुन के गीत सुनने आया हूं मिटे नहीं जो मतलब से वह भाव जगाने आया हूं सुनाया। कवि सुरेंद्र शर्मा पहलवान ने मुक्तकों की झडी लगा दी और कविता दिल पर रख दो हाथ को एहसासों का साथ कविता सुनाई। नरेंद्र त्रिवेदी ने सुरीले अंदाज में गीत चार पैसे कमाने को आया मगर गांव मेरा मुझे याद आने लगा सुनाया। मनीष कनोडिया ने देश भक्ति गीत मेरा मुल्क मेरा देश मेरा यह वतन शांति का दूत सुनाया। ध्रुव जैन ने होलिका एवं प्रहलाद की कविता सुनाई। नरेंद्र भावसार ने संचालन के साथ बहुत ही सुंदर कविता लिखे नए मौसम की नई खुशबू, कुछ तो ऐसी बात हो प्रस्तुत की। इस अवसर पर नंदकिशोर राठौर ने सभी साहित्यकारों को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं प्रेषित की।

मतदाताओं को घर-घर जाकर मतदान के लिए किया जागरूक

मंदसौर, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। भारत निर्वाचन आयोनकेतहत जिले में स्?वीपगतिविधियों का संचालन जोरो से चल रहाहैं जिसके के तहत जिले में मतदाताओं को मतदान केलिए प्रेरित किये जाने हेतु जिले में मतदाताओं को मतदान के लिए घर-घरजाकर जागरूकता किया जा रहाहै। साथ ही सभी लोग आपस में जागरूक हो रही रहे हैं, और अन्य लोगों को भी मतदान के लिये अपील कर रहें हैं।

कविता - अहम मिटा दें हम होली में।

होली में - - - - - - - !
आज अहम मिटा दें , हम होली में ,
नफरतों की दीवार गिरादें, हम होली में
ईर्ष्या ओर द्वेष मिटा दें , हम होली में।
सनेह - सहिष्णुता अंगीकार करें
हम होली में ,
जीवन को सतरंगों की बौछार बना दें
हम होली में।
प्यार भरी गुलाल उडाएं हम होली में ,
जीवन सार्थक और साकार बनायें ,
हम होली में।
रंगों - उमंगों ओर तरंगों साथ मनाएं
हम होली में।
अरे , थोड़ा तो मुस्कुराएं हम होली में ,
आओ सबमिलकर होली मनाएं ,
हम होली में।
होलीपर्व की बधाई - शुभकामनाएं

डॉ घनश्याम बटवाल , मंदसौर

अंतिम पंक्ति पर बैठे व्यक्ति का विकास करना भाजपा का संकल्प-गुप्ता

सिंगोली, रतनगढ़, मोरवन व जावद मंडल की बैठक संपन्न

मंदसौर/नीमच, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। अंतिम पंक्ति पर बैठे व्यक्ति का विकास करना ही भाजपा का संकल्प है। उक्त बात भाजपा लोकसभा प्रत्याशी एवं क्षेत्रिय सांसद सुधीर गुप्ता ने सिंगोली, रतनगढ़, मोरवन एवं जावद मंडल की बैठक के दौरान कही। उपस्थित सभी ने लोकसभा चुनाव को लेकर विस्तृत चर्चा की। सांसद गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का विश्व पटल पर मान बढा है। आज हर देश भारत को उम्मीदों की नजर से देख रहा है। मोदी सरकार फैसले लेने वाली सरकार है। मोदी सरकार ने देश हित में कई निर्णय लिए है। चाहे धारा 370 हो या राम मंदिर का निर्माण हो। मोदी सरकार ऐसी सरकार है जिसने देश के हर छोर को इंटरनेशनल सड्को से जोडा है। सांसद गुप्ता ने संसदीय क्षेत्र की उपब्धियों को भी बताया। कहा कि संसदीय क्षेत्र में रेलवे में अभूतपूर्व विकास हुआ है। दोहरीकरण, विद्युतीकरण, नवीन रेल लाईन सहित स्टेशनों का आधुनिकीकरण हो रहा है। संसदीय क्षेत्र में सिंचाई की योजनाओं पर महत्वपूर्ण कार्य हुए है। आज किसानों के खेतों और घरों के नलो पर पानी पहुंच रहा है।

बैठक में पूर्व केबिनेट मंत्री व जावद विधायक ओमप्रकाश सकलेचा ने कहा कि मोदी सरकार में कई जनकल्याणकारी योजनाएं बनी जिससे हर क्षेत्र व हर वर्ग का कल्याण हुआ। हमें हर गांव-हर बूथ पर उन योजनाओं को लेकर कार्य करना है। हर बूथ जीतना है और हर बूथ कमल खिलाना है। जिलाध्यक्ष पवन पाटीदार ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी सांसद सुधीर गुप्ता ने संसदीय क्षेत्र को कई गौरवान्वित करने वाले कार्य किए है। हमारा पहला संसदीय क्षेत्र है जहां मेडिकल कॉलेज है। साथ ही रेलवे, सिंचाई, गरीब कल्याण जैसी अनेक योजनाएं है जिसमें हमारा संसदीय क्षेत्र अव्वल है। हमें इन्ही विकास कार्यो को लेकर आगे बढना है। बैठक में मंडल अध्यक्षों ने कहा कि हर बूथ पर तैयारियां पूरी हो चुकी है। कार्यकर्ता पूरी तरह जुट जाए। सांसद गुप्ता ने सभी को अपने दायित्वों का पूर्ण रूप से निर्वहन करना है। सभी को हर बूथ पर भाजपा के पक्ष में मतदान करवाकर भाजपा प्रत्याशी सुधीर गुप्ता को विजय दिलानी है। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष पवन पाटीदार, जावद विधायक ओमप्रकाश सकलेचा, प्रदेश बंजारा, अर्जुन माली, सचिन गोखरू, जिला मंत्री क्षितिज भट्ट, नप अध्यक्ष श्रवण पाटीदार, कचरूलाल गुर्जर, जनपद अध्यक्ष गोपाल चारण, नप अध्यक्ष सुरेश जैन, श्याम काबरा, सुखलाल सेन, नपा अध्यक्ष सोहन माली, मुकेश जाट, कचरूलाल गुर्जर, उज्ज्वल पटवा सहित अन्य पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए दिलाई जा रही शपथ

मंदसौर, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिले में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए शपथ दिलाई जा रही हैं।''हम, भारत के नागरिक,लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेतेहैं कि हम अपने देश की लोकतान्त्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र,निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए,निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय,भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे । तरह तरहकी गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा हैयह गतिविधि हाट बाजार,मेलो,चौराहों पर की जा रही है।साथ मतदानकेंद्रों परजा करईवीएम कोचलाना,मतदान कामहत्व,लोकतंत्र का महत्व आदि के बारे में मतदाताओ को बताया जा रहाहै। जिससे मतदाताओ में जागरूकता उत्पन्न हो।

इंडिया ब्लाक केजरीवाल के लिए हुआ एकजुट...

गिरफ्तारी को लेकर 31 को मेगा रैली का निर्णय

नई दिल्ली, 24 मार्च। दिल्ली के सीएम और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर पूरा इंडिया ब्लॉक एकजुट होने की कोशिश में है। इसी क्रम में दिल्ली के मंत्री और आम आदमी पार्टी नेता गोपाल राय ने रविवार (24 मार्च) को घोषणा की कि विपक्षी इंडिया गुट 31 मार्च को एक मेगा रैली आयोजित करेगा। ये घोषणा विपक्ष बनाम नरेंद्र मोदी सरकार के टकराव के बीच की गई है।

गोपाल राय ने इंडिया ब्लॉक के नेताओं की ब्रीफिंग में कहा, जिस तरह से दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया है, उससे देश भर के वे सभी लोग जो संविधान से प्यार करते हैं और संविधान का सम्मान करते हैं, उनके दिलों में गुस्सा है। ये सिर्फ अरविंद केजरीवाल के बारे में नहीं है, बल्कि एक-एक करके पूरे विपक्ष का सफाया करना है। आप नेता गोपाल राय ने कहा कि वो विधायकों को खरीद रहे हैं या उन्हें बीजेपी में शामिल होने की धमकी दी जा रही है। जो लोग बिकने, झुकने को तैयार नहीं हैं, उनके खिलाफ फर्जी मामले दर्ज किये जा रहे हैं। इसके अलावा दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने रहड्ड से रैली के आयोजन को लेकर कहा, रामलीला मैदान एक ऐतिहासिक स्थान है। देश में सबसे बडी क्रांतियां रामलीला मैदान से शुरू हुई। आम आदमी पार्टी भी रामलीला मैदान से उठी। रैली में भारत की सभी पार्टियों के वरिष्ठ नेता हिस्सा लेंगे और संबोधित करेंगे।

दिल्ली कांग्रेस प्रमुख अरविंदर सिंह का बयान–दिल्ली कांग्रेस प्रमुख अरविंदर सिंह लवली ने कहा, लोकतंत्र खतरे में है। हमारे नेता (कांग्रेस सांसद) राहुल गांधी लोकतंत्र को बचाने के लिए लड रहे हैं। हम भारत गठबंधन के साझेदारों के साथ मजबूती से खडे हैं। इससे पहले केजरिवाल ने आज जेल से ही एक नोट के जरिए जल बोर्ड को लेकर आदेश भेजा है। उन्होंने गिरफ्तारी के बाद कहा था कि वो भले ही गिरफ्तार हो गए हैं, लेकिन वो मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगे। वो जेल में रहते हुए ही दिल्ली की सरकार को चलाएंगे।

शहरी क्षेत्र में कम प्रेशर व सप्लाय की परेशानी से जूझ रहे रहवासी, समाधान को लेकर हुई बैठक

मंदसौर, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। शहर क्षेत्र (पुराना क्षेत्र) में पानी की सप्लाय संबंधित समस्याओं को लेकर विचार विमर्श बैठक हुई।

जानकारी के अनुसार शहर का पुराना क्षेत्र जो तंग और संकरी बस्ती वाला एरिया है, वहां पर पानी के प्रेशर की समस्या विगत समय से आ रही है। इसको लेकर तीन से चार वार्ड के लोग इस समस्या से अधिक परेशान हो रहे थे। क्योंकि शहर क्षेत्र घनी बस्ती वाला और तंग बस्ती वाला क्षेत्र है, यहां पर लोग पूरी तरह पेयजल व्यवस्था के लिए नलों पर ही निर्भर रहते हैं, नल भी एक दिन छोडकर आते है। ऐसे में प्रेशर की समस्या व सप्लाई की समस्या से रहवासी बहुत परेशान थे। समस्या के समाधान को लेकर नेता प्रतिपक्ष रफत पयामी, वार्ड क्रं 28 के पार्षद प्रतिनिधि आरिफ अंसारी, पूर्व जलकल सभापति हाजी रशीद ने जलकल सभापति नीलेश जैन व नपा के कार्यपालन यंत्री पीएस धार्वे के साथ बैठक करके चर्चा की। इसमें सभापति जैन से आग्रह किया कि वे इन तकनीकी कमियों को जल्द सुधारें, ताकि वर्तमान में गर्मी का असर बढ रहा है और साथ ही रमजान भी चल रहे हैं। ऐसे में सुचारू रूप से पानी की व्यवस्था होनी चाहिए। बैठक में सभापति जैन व कार्यपालन यंत्री ने आश्वस्त किया है कि जल्द ही समस्याओं का समाधान कर लिया जाएगा।

चंबल योजना की तकनीकि कमियों को सुधारें–नेता प्रतिपक्ष पयामी ने कहा कि शहर की पानी की व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से सुचारू रूप से किया जाए ताकि शहरवासी पानी की समस्या से परेशान ना हो। पयामी ने यह भी कहा कि 52 करोड रुपए की महती चंबल योजना ही मंदसौर के पेयजल को सुचारू बनाने के लिए पर्याप्त है। इसलिए उसमें आ रही तकनीकी कमियों को सुधारा जाए और आमजन को राहत प्रदान करें।

मेहंदी प्रतियोगिता के माध्यम से किया जा रहा मतदाताओं को जागरूक

मंदसौर, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। लोकसभा निर्वाचन2024के अंतर्गत स्वीप गतिविधियों के तहत जिले में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जारहा है। इसके लिये महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वाधान में मतदाता जागरूकता के कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत गांव-गांव में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया जारहा है तथा महिलाएं हाथों में मेहंदी ल गाकर मतदाताओं को जागरूक कर रहीहैं। संदेश के रूप में हम सब वोट करेंगे, वोट देंगे। इस प्रकार के संदेश भी लिख र हीहै।यह कार्य महिला बाल विकास विभाग के माध्यम से आंगनवाडी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के द्वारा किया जा रहा है। इस कार्य में मतदाताओं के द्वारा भी विशेष रूचि ली जारही है। साथ ही सभी लोग आपस में जागृतहोरही रहेहैं,और अन्य लोगों कोभी जागरूक कर रहे हैं।

नौ साल की बच्ची...

पेज 1 से जारी

बताई तो वह थाने ले गई। नानी की शिकायत पर पुलिस ने बच्ची से बात की। लेकिन स्पष्ट नहीं कर पाई। पुलिस को शक हुआ तो शेल्टर होम भेज दिया। सीडब्ल्यूसी ने उसकी काउंसलिंग की और पूरी घटना के बारे में पूछा। घटना की पुष्टिहोने पर पुलिस और प्रशासनिक अफसरों को रिपोर्ट भेजी। शनिवार को आरोपितों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कर ली गई।

सी-विजिल एप से हो रहा शिकायतों का त्वरित निराकरण, 22 मार्च तक मिलीं 173 शिकायतें

नीमच, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि आदर्श चुनाव आचरण संहिता लागू होते ही सी-विजिल एप पर शिकायतें प्राप्त होने लगी हैं। 22 मार्च तक प्रदेश के सभी जिलों से इस एप के माध्यम से कुल 173 शिकायतें प्राप्त हो चुकीं हैं। इन सभी शिकायतों का त्वरित निराकरण कर दिया गया है।

श्री राजन ने प्रदेश के नागरिकों से अनुरोध किया है कि यदि वे निर्वाचन में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से जुडी किसी भी प्रकार की सीधी शिकायत करना चाहते हैं, तो वे सी-विजिल एप के माध्यम से कर सकते हैं। इसके लिए संबंधित नागरिक को गूगल प्ले स्टोर पर जाकर सी-विजिल एप डाउनलोड करना होगा। इसके लिए नागरिक को ऐसी किसी भी घटना की जानकारी होने पर फोटो या वीडियो सी-विजिल एप पर अपलोड करना होगा। शिकायत मिलने पर अगले 100 मिनट के भीतर कार्यवाही की जाएगी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आदर्श चुनाव आचरण संहिता के उल्लंघन वाली शिकायतों के निवारण के लिए सी-विजिल एप तैयार किया गया है। इस एप के जरिए कोई भी नागरिक राजनैतिक दलों या प्रत्याशियों द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिए किसी भी तरह से धन, सामग्री, कपडे, जेवरात आदि का वितरण करने, मतदाताओं को उनके पक्ष में मतदान करने के लिए धमकाने, मतदाताओं को स्वयं के वाहन से परिवहन करने, किसी भवन स्वामी की अनुमति के बिना उसके भवन या दीवारों पर प्रचार सामग्री लगाने या दीवार पर विज्ञापन लिखवाने सहित अन्य प्रकार की शिकायत कर सकता है।

मदिरा दुकाने बंद रखने का आदेश

मंदसौर, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन द्वारा म.प्र आबकारी अधिनियम 1915 के तहत आज 25 मार्च 2024 को होली (धुलेण्डी) का त्यौहार होने के कारण शांतिपूर्ण त्यौहार मनाने एवं प्रशासकीय लोकहित में नीमच जिले में स्थित समस्त कंपोजिट मदिरा दुकानो, एफ.एल-2 रेस्तरां बार, एफ.एल.-6 थोक सैनिक केंटीन एवं एफ.एल.7 फुटकर सैनिक केंटिन को 25 मार्च 2024 को दोपहर 2 बजे तक के लिये बंद रखने का आदेश दिया गया है। उक्त अवधि में मंदिरा का विक्रय परिवहन संग्रहण प्रतिबंधित किया गया है। अत: उक्त, आदेश का कडाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है।

कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कांतिलाल राठौर ने अपने पद से दिया इस्तीफा

मंदसौर, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिला ए.एस.यू.आई. के पूर्व अध्यक्ष, जिला कांग्रेस सेवादल के पूर्व अध्यक्ष, जिला कांग्रेस विधि विभाग के पूर्व अध्यक्ष, जिला कांग्रेस के पूर्व महामंत्री, जिला कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता, मध्यप्रदेश युवक कांग्रेस के पूर्व कार्यकारिणी सदस्य, एन.एस.यू.आई. के पूर्व प्रदेश महामंत्री, म.प्र. कांग्रेस सेवादल के पूर्व महासचिव, कांग्रेस सेवादल के पूर्व संगठन मंत्री, उज्जैन संभाग, भोपाल संभाग, इंदौर संभाग के पूर्व सेवादल प्रभारी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व डी.आर.ओ., छात्रसंघ के पूर्व सचिव, विक्रम विश्वविद्यालय के पूर्व प्रतिनिधि, अ.भा. कांग्रेस सेवादल प्रशिक्षक, पूर्व नपा मंदसौर के सांसद प्रतिनिधि कांतिलाल राठौर ने अपने प्रेस नोट के माध्यम से बताया कि मैंने अपने जीवन के महत्वपूर्ण 45 वर्षों के कांग्रेस पार्टी के कार्यकाल में हमेशा पार्टी के हित में कार्य किया और पार्टी द्वारा दिये दायित्वों का पूर्ण निर्वहन पूर्ण निष्ठा से समर्पित होकर कर पार्टी को मजबूती प्रदान की। परन्तु दुख की बात है कि कांग्रेस द्वारा लिये गये निर्णय से लगता है मंदसौर संसदीय क्षेत्र की कांग्रेस पार्टी पिछड़ा वर्ग विहीन हो गई है, इसलिये बाहरी व्यक्ति को कांग्रेस पार्टी द्वारा उम्मीदवारी दी गई है। जिससे संसदीय क्षेत्र के कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं में रोष है।

श्री राठौर ने कहा कि राहुल गांधी को शायद याद नहीं है। उनकी दादी इंदिराजी के नाम को इंदिरा गांधी जिला चिकित्सालय मंदसौर नामकरण उनके पिता श्री राजीव गांधी के नाम खेल मैदान, कॉलेज नामकरण, गांधी नगर मंदसौर, सरदार वल्लभभाई पटेल प्रतिमा स्थल भूमि आवंटन जैसे महत्वपूर्ण कार्य मेरे द्वारा दायित्व सम्पन्न करवाये गये। कांग्रेस संगठन में अविभाजित नीमच, मंदसौर जिले में हजारों कार्यकर्ताओं को संगठन से जोडा परन्तु दुख का विषय एवं पिड़ादायक शब्द उद्वेलित करते हुए कांग्रेस पार्टी के अपने उपाध्यक्ष पद से मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी को त्यागपत्र दिया है।

श्री गौर पूर्णिमा महोत्सव रथ यात्रा में उमड़े श्रद्धालु भक्त जन, फूलों से होली खेली...

इस्कान केंद्र ने मनाया होली का दहन उत्सव

नीमच, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। चैतन्य महाप्रभु के आविर्भाव तिथि 538वां प्राकट्य दिवस के पावन उपलक्ष्य में कृष्ण कृपा मूर्ति श्रीपाद् ऐसी भक्ति वेदान्त स्वामी प्रभुपाद द्वारा स्थापित संस्था अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ नीमच केंद्र के तत्वाधान में श्री गौर पूर्णिमा महा महोत्सव के अंतर्गत रविवार 24 मार्च को चार्टर बस स्टैंड कार्यालय के पास

न्यू डॉक्टर कॉलोनी में दोपहर 3 से 5बजे तक–विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। केंद्र के अध्यक्ष रघुनाथ प्रसाद दास ,इलापति कृष्ण दास ने बताया कि कार्यक्रम की पावन श्रृंखला में दोपहर 3बजे गुप्ता नर्सिंग होम के पास धाकड मार्ट की पहली मंजिल स्थित इस्कॉन केंद्र नीमच कार्यालय से रथ यात्रा का शंखनाद हुआ। रथयात्रा शिवाजी सर्कल अंबेडकर मार्ग गायत्री मंदिर हायर सेकेंडरी क्रमांक 2 प्रवेश द्वार , सिंधी कॉलोनी जिला चिकित्सालय परिसर , निंबाहेडा महू रोड आदि नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए न्यू डॉक्टर कॉलोनी पहुंचकर पालकी महोत्सव में परिवर्तित हो गई। रथ यात्रा में कृष्ण बलराम गौरनिताई विग्रह को फूलों से श्रृंगारित किया गया। रथयात्रा में हरे कृष्णा हरे हरे हरे रामा हरे कृष्णा स्वर लहरियों पर युवा भक्ति में डुबकीयां लगाते रहे। इस अवसर पर फूलों से पुष्प वर्षा कर होली खेली गई। कृष्ण बलराम के जयकारे लगे। रथ यात्रा का गायत्री मंदिर प्रवेश द्वार के समक्ष गायत्री मंदिर शक्तिपीठ के कार्यकर्ताओं द्वारा पुष्पमाला अर्पित कर आरती कर भव्य अगवानी के साथ स्वागत किया गया।गायत्री शक्तिपीठ के प्रभु लाल धाकड, भगवान दिन प्रजापति ,रमेश प्रजापति ,गणपत तौर तन्मय शर्मा, दिव्या मुच्छाल, एडवोकेट अजय अहीर ,मुरली बैरागी सहित अनेक भक्त सेवक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ नीमच केंद्र के प्रतिनिधि ने बताया कि इस्कॉन केंद्र नीमच के तत्वाधान में गुप्ता नर्सिंग होम के समीप स्थित धाकड मार्ट के उपर प्रथम मंजिल पर नित्य सुबह 5 बजे मंगल आरती 5:30 से 7:30 बजे तक महामंत्र ध्यान 7:30 से 7:40 बजे तक गुरु पूजा 7:45 से 8:15 बजे तक श्रीमद् भागवत पाठ, संध्याकालीन कार्यक्रम की श्रृंखला में 6:30 बजे संध्या आरती, 7 बजे गीता पाठ निरंतर आयोजित होता है। प्रत्येक रविवार 6 से 8 बजे तक रात्रि सत्संग प्रीति भोज, रविवार सुबह 10 से 11 गीता अध्ययन कोर्स, प्रतिदिन 9 से 9:30 तक ऑनलाइन सत्संग, प्रत्येक बुधवार रात्रि 7 से 8 बजे तक बच्चों के लिए कार्यक्रम, प्रत्येक रविवार शाम 4 से 5 बजे कीर्तन प्रशिक्षण कोर्स, प्रत्यक्ष शनिवार शाम 6 से 8 बजे तक इस्कॉन यूथ फॉर्म भक्ति वृक्षा कार्यक्रम तथा वृंदावन ,द्वारका, मायापुर उज्जैन जगन्नाथ पुरी की धाम यात्रा के कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।श्री श्री गौर निताई मासिक सेवा संकल्प के अंतर्गत भक्त सेवा अनुदान तुलादान जन्मदिन विवाह वर्षगांठ अन्नप्राशन इत्यादि कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं।

भीषण गर्मी में पक्षियों का जीवन बचाने के लिए फिर सक्रिय हुई टीम पंछी बचाओ अभियान

मंदसौर, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। गर्मी में मानव हो या फिर पशु-पक्षी सभी को ठंडे जल की तलाश रहती है। पक्षियों को पानी के लिए कडा संघर्ष करना पडता है। भीषण गर्मी में आसमान से आग बरस रही है। गर्मी में मानव हो या फिर पशु-पक्षी सभी को ठंडे जल की तलाश रहती है। लोगों के लिए तो जगह-जगह प्याऊ व नल के साथ ही पानी की उचित व्यवस्था मिल ही जाती है, लेकिन पक्षियों को पानी के लिए कडा संघर्ष करना पडता है। पक्षियो के लिए कार्य कर रही टीम पंछी बचाओ अभियान गर्मी को देखते हुए अपना कार्य शुरू कर दिया है। घर घर सकोरा अभियान के तहत आज आशुतोष महादेव मंदिर से इसकी शुरुआत की गई। पंछी बचाओ अभियान की जिलाध्यक्षा श्रीमती माधवी बैरागी ने बताया कि पानी अनमोल है, इसके बिना जीवन संभव नहीं है। दिनों दिन बढ़ती गर्मी के चलते आज बेजुबान पशु-पक्षियों के समक्ष दाना और पानी की समस्या आ गई है। हम इंसान को भूख और प्यास की तडप व्याकुल कर देती है, तब यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि बेजुबान पशु-पक्षियों की क्या हालत होती होगी। उन्होंने कहा कि गर्मी के चार महीने पंछी बचाओ अभियान की पूरी टीम मंदिर, मज़िद, घर , बगीचों और आसपास दाना-पानी की व्यवस्था करेगी आप सभी इस पुनीत कार्य मे सहयोग करें वही संस्थापक राकेश भाटी ने कहा कि हम सभी लोगों की जिम्मेदारी है कि वे पक्षियों के लिए दाना व पानी की उचित व्यवस्था कर अपने जिम्मेदारी का निर्वाहन करें। ताकि खुले आसमान और धूप में विचरण करने वाले पंछियों को राहत मिल सके।

मालवा प्रांत की ऑनलाईन बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। केन्द्रीय टोली की ऑनलाईन बैठक राष्ट्रीय संगठन अध्यक्ष नारायण भाई शाह द्वारा सभी प्रांतो से आग्रह किया था कि वे मार्च माह मे राज्य एवं जिला उपभोक्ता फोरम में आरटीआई लगाएं। इस विषय को सभी प्रांत जिले तक ले जाने हेतु 25/03/2024 के पूर्व प्रांत की बैठक करें इसी तारतम्य में दिनांक 24/03/202 रविवार को मालवा प्रांत की बैठक क्षेत्रिय संगठन मंत्री अलंकार वशिष्टकी अध्यक्षता मे हुई जिसमे वशिष्टने बताया कि मालवा प्रांत जिसमे इन्दौर और उज्जैन सम्भाग के 15 जिले क्रमश: शाजापुर , देवास, आगर मालवा, उज्जैन , रतलाम , मन्दसौर ,नीमच, धार, झाबुआ , आलीराजपुर , खरगोन, बडवानी, खण्डवा , बुरहानपुर , इन्दौर आते है यहां के सभी जिला उपभोक्ता आयोग और मप्र राज्य आयोग मे दिनांक 27/03/2024 तक RTI लगाना है। इस कार्य में कुछ कठनाई आने पर प्रांत से या किसी अधिवक्ता से सहयोग लेना चाहिए। बैठक का संचालन प्रांत संगठन मंत्री श्री मुकेश कौशल ने किया आभार प्रांत सचिव श्री बहादुर सिंह राजपूत ने माना शांति मंत्र का वाचन श्री डी जी मिश्रा ने किया। उक्त जानकारी प्रांत प्रचार प्रमुख देवेंद्र सिंह सिसौदिया ने दी!

फावड़े से सिर पर मारी, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 24 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मारपीट के मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। कोलवी निवासी जुझार मीणा ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि पडोसी कैलाश पिता कारुलाल मीणा घर पर आया और बोला कि तेरे बच्चों को आज के बाद मेरे घर के तरह मत भेजना। मैंने कारण पूछा तो गाली-गलौज करने लगा व मारपीट की, फावडे से सिर पर मारी, जिससे खून बहने लगा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया।

कार्यालय- दीपक सैनी एडव्होकेट

गौल चौराहा नई आबादी स्कीम नंबर-2 रोड नं. 3. मंदसौर

मोबाईल 8085621888, 7987714980 फोन नंबर 07422-356589)

दिनांक- 19.06.2023

*****जाहिर सूचना *****

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मोहम्मद रशीद पिता वली मोहम्मद जाति मुसलमान, निवासी जाली की मस्जिद, भोईवाड़ा मंदसौर के स्वामित्व, स्वत्व एवं आधिपत्य का म्यु. मकान नंबर-16/1 व भूमि सर्वे कमांक-42/2 का भाग, सत्यसांई के पास, किटियानी, तहसील मंदसौर व जिला मंदसौर में स्थित है को विधिवत रजिस्टर्ड विक्रय पत्र क्रमांक-1871 दिनांक 26.06.2010 को श्रीमती रफीका बी पति सिराजउद्वीन मुसलमान, निवासी जाली की मस्जिद, भोईवाड़ा मंदसौर से क्रय किया था। उक्त मकान की चर्तु सीमा निम्नवत है-

चर्तु सीमा-पूर्व में-धनगर जी का मकान, पश्चिम में-इसी भूखण्ड के शेष भाग पर बना मकान, उत्तर में-बाबर खा की भूमि, दक्षिण में-रोड

कुल क्षेत्रफल-1029 वर्गफीट है।

उक्त संपत्ति पर मोहम्मद रशीद पिता वली मोहम्मद जाति मुसलमान द्वारा एच.डी.बी. फायनेशियल सर्विसेस लिमिटेड शाखा मंदसौर से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार, बोझ आदि उक्त संपत्ति पर हो या कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर सूचना पत्र प्रकाशन से 3 दिवस के अंदर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के प्रस्तुत करें। वरना बाद गुज़रने मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचित हो।

भवदीय

दीपक सैनी, एडव्होकेट मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356

समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in